mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-328 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
29 नवंबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आतंकी डॉ. आदिल की वॉट्सएप चैट सामने आई

विस्फोटक के लिए सैलरी से 8 लाख दिए

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉक्टर्स विस्फोटक जुटाने के लिए सैलरी से पैसा देते रहे। गिरफ्तार डॉक्टरों की बैंकिंग डिटेल और मोबाइल रिकॉर्ड से इसके सबूत मिले हैं। सहारनपुर के फेमस मेडिकेयर अस्पताल में काम करने वाले डॉ. आदिल अहमद की वॉट्सऐप चैट भी सामने आई है, जिसमें वह एडवांस सैलरी के लिए गिड़गिड़ा रहा है।

जांच एजेंसी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा में फरीदाबाद के धौज और फतेहपुर तगा गांव में बरामद सामग्री और दिल्ली ब्लास्ट में इस्तेमाल विस्फोटक पर डॉक्टरों ने 26 लाख रुपए खर्च किए थे। इसमें से 8 लाख रुपए डॉ. आदिल ने दिए थे। जांच एजेंसियां अब आदिल के संपर्कों की तलाश कर रही हैं।

उत्तराखंड में पतंजलि घी के सैंपल जांच में फेल

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि के घी के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। जिसके बाद कंपनी समेत 3 कारोबारियों पर 1 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही खाद्य विभाग का कहना है कि ये खाने लायक भी नहीं है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में घी का सैंपल लिया गया था, इसकी जांच प्रदेश स्तर (रूद्रपुर) और राष्ट्रीय स्तर (गाजियाबाद) की लैब में कराई गयी थी। जांच में घी स्टैंडर्ड पर खड़ा नहीं उतरा।

पुतिन 4 दिसंबर को भारत आएंगे

डिफेंस पर बड़ा करार संभव

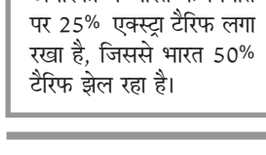

नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को 2 दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे। 2022 में यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। पुतिन 23वीं भारत-रूस समिट में भाग लेंगे। ये भारत और रूस के बीच होने वाली सालाना बैठक का हिस्सा है। हर साल दोनों देश बारी-बारी से इस बैठक की मेजबानी करते हैं। इस बार भारत की बारी है। समिट के दौरान पुतिन पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेता क्रूड ऑयल डील के साथ डिफेंस और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर बात कर सकते हैं। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पुतिन के सम्मान में स्टेट डिनर का देंगी। रूसी तेल खरीद की वजह से अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा रखा है, जिससे भारत 50% टैरिफ झेल रहा है।

पीएम का उडुपी दौरा:

मोदी ने 1 लाख लोगों के साथ गीतापाठ किया श्री कृष्ण मठ में पूजा की; सोने का कलश चढ़ाया

बेंगलुरु/पणजी, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के उडुपी दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की। यहां सुवर्ण तीर्थ मंडप का उद्घाटन किया और सोने का कलश चढ़ाया। इसके बाद पीएम ने 1 लाख लोगों के साथ श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। शाम में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

इससे पहले पीएम मोदी सुबह 11 बजे के करीब उडुपी पहुंचे थे। यहां उन्होंने तीन किमी लंबा रोड शो भी किया। रोडशो के दौरान पीएम मोदी ने अपनी कार के रनिंग बोर्ड पर खड़े होकर रास्ते में मौजूद लोगों की तरफ हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान, वहां मौजूद लोगों ने पीएम मोदी के काफिले पर फूलों की बारिश की। फिर प्रधानमंत्री मोदी ने सड़क के दोनों तरफ खड़े लोगों का धन्यवाद किया।

इस दौरान तमाम सांस्कृतिक दलों ने प्रस्तुतियां भी दीं, जिसमें कर्नाटक की जीवंत परंपरा नजर आई। जान लें कि ये पीएम मोदी का तीसरा उडुपी दौरा है। साल 1993 में वह पहली बार उडुपी आए थे। उसके बाद दोबारा उन्हें 2008 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उडुपी आने का मौका मिला था। पीएम मोदी के रोडशो के दौरान उडुपी के लोग भी काफी उत्साह में दिखे। उनके चेहरे पर हंसी नजर आई। लोग अपने मोबाइल के कैमरे में इस खास पल को कैद करते हुए नजर आए। कई लोग, पीएम मोदी की तरफ हाथ हिलाते हुए भी दिखे। पीएम मोदी के उडुपी वाले रोडशो में बच्चे रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर भी आए थे। यहां एक बच्ची तिरंगा झंडा बनी हुई टीशर्ट पहनकर आई थी। पीएम मोदी ने उडुपी में रोडशो के बाद श्री कृष्ण मठ में दर्शन भी किए। इसके साथ ही 13वीं सदी के आध्यात्मिक गुरु श्री माधवाचार्य को भी याद किया।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल फिर हाईकोर्ट पहुंचे

पैरोल न देने के पंजाब सरकार के फैसले को चुनौती दी; सोमवार को सुनवाई होगी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब से खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह फिर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने संसद सत्र में हिस्सा लेने के लिए पैरोल न देने के पंजाब सरकार के फैसले को चुनौती दी है। इस मामले में सोमवार को सुनवाई होगी।इससे पहले हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को अमृतपाल की पैरोल पर एक हफ्ते में फैसला लेने को कहा था लेकिन सरकार ने उसे खारिज कर दिया। इस संबंध में ष्ठष्ट और स्स्क्क ने रिपोर्ट दी कि अमृतपाल को पैरोल से माहौल बिगड़ सकता है। अमृतपाल इस वक्त हृस्न के केस में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। वह 2024 में खडूर साहिब सीट से करीब 2 लाख वोटों से चुनाव जीतकर जेल में रहते ही चुनाव जीत गए थे।

अमृतसर के DC-SSP ने कहा था- कानून व्यवस्था बिगड़ेगी : सांसद को पैरोल ने देने का फैसला पंजाब सरकार ने जिला स्तर पर आई रिपोर्ट के आधार पर लिया था। सूत्रों के मुताबिक, अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर और जिले के पुलिस अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने कहा है कि अगर अमृतपाल सिंह को रिहाई दी गई तो कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा हो सकता है। अमृतपाल की तरफ से याचिका में NSA की धारा 15 का हवाला दिया गया था, इसके धारा में बंदी को विशेष परिस्थिति में पैरोल देने का अधिकार है।

पिता के जन्म का प्रमाण कहां से लाऊं? सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर पर सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

सीजेआई सूर्यकांत बोले- आप चूक गए...

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 12 राज्यों में चल रहे गहन वोटर पुनरीक्षण या स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ लगी याचिकाओं पर 27 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। देश के शीर्ष न्यायालय ने विपक्ष को तगड़ा झटका देते हुए कहा कि एसआईआर कराने के लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास ऐसा करने का पूरा संवैधानिक और कानूनी अधिकार है। शीर्ष अदालत ने इस प्रक्रिया को रोकने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि अगर इसमें कोई अनियमितता सामने आई तो वह तुरंत सुधार के आदेश देगा। कोर्ट अब 2 दिसंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

चीफ जस्टिस सूर्याकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने राजद सांसद मनोज झा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि एसआईआर की जरूरत पर सवाल उठाने वाले तर्कों में दम नहीं है।वहीं सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि एसआईआर में लागू किए जा रहे नियम विदेशी (नागरिक) अधिनियम के नियमों जैसे ही हैं, जहां नागरिकता साबित करने की जिम्मेदारी व्यक्ति की होती है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पिता के जन्म का प्रमाण कहां से लाऊं? उन्होंने कहा कि इसके लिए वोटर को अपना बर्थ सर्टिफिकेट या कोई ऐसा दस्तावेज देना होगा, जो साबित करता हो कि उसके माता-पिता में से कोई एक भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी वोटर के पिता ने 2003 के चुनाव में वोट नहीं डाला और उससे पहले ही उनकी मृत्यु हो गई तो कैसे नागरिकता साबित होगी। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस पर कहा, 'लेकिन अगर आपके पिता का नाम सूची में नहीं है और आपने भी इस पर काम नहीं किया तो शायद आप चूक गए' कोर्ट अब 2 दिसंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग से मिले टीएमसी नेता

कांग्रेस बोली-20 दिन में 26 बीएलओ की मौत दिनदहाड़े मर्डर, पूछा- इतनी जल्दी क्या है ?

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में SIR को लेकर जारी विवाद के बीच पांच सदस्यीय TMC डेलीगेशन शुक्रवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेलीगेशन में डेरेक ओ ब्रॉयन और कल्याण बनर्जी भी शामिल थे। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। कांग्रेस ने SIR प्रक्रिया के दौरान काम के दबाव के चलते जान गंवाने वाले BLO की मौत को मर्डर बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 20 दिनों में 26 BLO की मौत दिनदहाड़े मर्डर जैसी है। सुप्रिया ने गोंडा के BLO विपिन यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उनके परिवार ने बताया है कि उन पर वोटर लिस्ट से पिछड़े वर्ग के लोगों के नाम हटाने का दबाव था। सुप्रिया ने कहा कि यह कोई कहानी नहीं बल्कि देश के सामने एक कड़वा सच है। इतनी जल्दी क्या है? थोड़ा समय लेकर SIR करवाओ।

SIR का मामला कोई छोटा मामला नहीं है। यह वोट चोरी का सबसे ताकतवर तरीका है, और इसीलिए इसका इतने खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में SIR पर अगली सुनवाई 2 दिसंबर को : सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को SIR के खिलाफ दायर तमिलनाडु, बंगाल और केरल की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने कहा- SIR प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दल जानबूझकर डर का माहौल बना रही हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने केरल सरकार की याचिका पर केंद्र और राज्य चुनाव आयोग से 1 दिसंबर तक जवाब देने को कहा है। अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी।

वहीं, तमिलनाडु में याचिका पर 4 दिसंबर और पश्चिम बंगाल की याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई होगी। इसी दिन चुनाव आयोग राज्य की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी करेगा। बेंच ने कहा- अगर राज्य सरकार मजबूत आधार देती हैं तो हम तारीख बढ़ाने का निर्देश दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि SIR पहले कभी नहीं हुआ, तो यह वजह EC के फैसले को चुनौती देने का आधार नहीं बन सकती।

कपिल के कनाडा के कैफे में फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैप्स कैफे में हुई फायरिंग के आरोपी को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम बंधु मान सिंह सेखों है, जो गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों गैंग का अहम हैंडलर बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से PX-3 हाई-एंड पिस्टल (मेड इन चाइना) बरामद की है, जिसमें 8 जिंदा कारतूस भी मिले। पुलिस के मुताबिक सेखों के भारत में छिपे होने की सूचना मिली थी। सेखों पर आरोप है कि उसने फायरिंग की साजिश रची थी और शूटरों से लेकर लॉजिस्टिक सपोर्ट तक मुहैया कराया था। दरअसल, कनाडा में कपिल के कैफे पर 10 जुलाई, 7 अगस्त और 18 अक्टूबर को 3 बार फायरिंग हो चुकी है। तीनों बार फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू नेपाली ने ली थी।

क्राइम ब्रांच बोली- गैंग के और सदस्यों की तलाश जारी : क्राइम ब्रांच का कहना है कि सेखों लंबे समय से भारत और कनाडा के गैंगस्टरों के बीच कड़ी (लिंक) के तौर पर काम कर रहा था। वह गोलीबारी, उगाही और धमकी जैसे मामलों में शामिल रहा है। पुलिस अब गोल्डी ढिल्लों गैंग के अन्य सदस्यों, फंडिंग चैनल और हथियारों की सप्लाई नेटवर्क की जांच आगे बढ़ा रही है। इस कार्रवाई को हालिया अंतरराष्ट्रीय गैंगों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

कनाडा में कपिल के कैफे पर 3 बार फायरिंग हुई : कपिल शर्मा का कैफे कनाडा के शहर सरी में है। इसकी 7 जुलाई, 2025 को ओपनिंग की गई थी। इसके तीन दिन बाद 10 जुलाई को कैफे पर फायरिंग की गई।

म.प्र.में बच्ची से रेप के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

- **कस्टडी से भागने की कोशिश कर रहा था, पुलिस ने पैर में गोली मारी, अस्पताल में भर्ती**

भोपाल/रायसेन, एजेंसी। मध्य प्रदेश के रायसेन में 6 साल की बच्ची से रेप करने का आरोपी सलमान गुरुवार देर रात शॉर्ट एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस जब उसे गौहरगंज ले जा रही थी, तभी उसने भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को उसे पैर में गोली मारना पड़ी। आरोपी का भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है।

सलमान पर आरोप है कि 21 नवंबर को वह बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर जंगल में ले गया। वहां उसके साथ रेप कर फरार हो गया। इलाके में तब से ही घटना के विरोध में धरना-प्रदर्शन चल रहा था। लोग आरोपी के एनकाउंटर की मांग कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मुताबिक, रायसेन जिले के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी सलमान को गुरुवार रात भोपाल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद जब उसे गौहरगंज ले जाया जा रहा था, तब पुलिस की गाड़ी औबेदुल्लागंज क्षेत्र के जंगल में पंक्चर हो गई।

खरपुसे ने बताया, घटना रात करीब 3-4 बजे के बीच की है। आरोपी को गाड़ी में लेकर जा रहे थे। रास्ते में कील के कारण गाड़ी पंक्चर हो गई। बैकअप में एक और गाड़ी थी। उसे दूसरी गाड़ी में शिफ्ट करना था। उसी दौरान आरोपी ने सुल्तानगंज के थाना प्रभारी श्याम राज की पिस्टल को निकाल लिया।

बजरी भरा डंपर कार पर पलटा, 7 की मौत

सहारनपुर में गाड़ी पिचककर 2 फीट रह गई...अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे

सहारनपुर, एजेंसी। यूपी के सहारनपुर में शुक्रवार को डंपर बेकाबू होकर कार पर पलट गया। हादसे में 4 साल के बच्चे समेत 7 लोगों की मौत हो गई। डंपर में बजरी भरी हुई थी। रफ्तार तेज होने की वजह से डंपर बेकाबू हो गया और बगल में चल रही कार पर पलट गया। डंपर पर लदी बजरी भी कार पर गिर गई।

पूरी कार डंपर और बजरी के नीचे दब गई। 5 फीट की कार 2 फीट की बची। डंपर को 3 क्रेन की मदद से किनारे किया गया। जबकि, बजरी हटाने में लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। तब तक कार सवार तड़पते रहे। बाद में कार की छत काटकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

बताया जा रहा है कि परिवार अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सैयद माजरा गांव से गंगोह जा रहा था। कार में एक ही परिवार के सात लोग सवार थे। गांव से एक किमी. दूर हाईवे पर हादसा हो गया। इसमें सभी 7 लोगों की मौत हो गई।

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि 7 लाशें कार से निकाली गई हैं। उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया हैं। मामला थाना गागलहेडी का है।

गांव के बाहर ही हादसा

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह सवा नौ बजे सहारनपुर के सैयद माजरा गांव का रहने वाला परिवार कार से निकला था। कार गांव के बाहर एक्सप्रेसवे पर पहुंची ही थी कि देहरादून की तरफ से आ रहा तेज रफ्तार डंपर उस पर पलट गया।

बेकाबू डंपर कार के ऊपर पलट गया : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार अचानक डंपर के सामने आ गई। डंपर चालक ने ब्रेक लगाए, लेकिन रफ्तार तेज होने की वजह से वह डंपर को संभाल नहीं पाया।

उत्तराखंड में 14 जनवरी से होगा अर्धकुंभ

4 शाही स्नान सहित 10 मुय स्नान तय, सभी की तिथियां घोषित; 13 अखाड़ों ने जताई सहमति

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड में 2027 में होने वाले अर्धकुंभ की तिथियां तय हो गई हैं। हरिद्वार में होने वाला ये भव्य आयोजन 14 जनवरी से शुरू होगा और 20 अप्रैल को खत्म होगा। 97 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 10 प्रमुख स्नान शामिल हैं। जिसमें पहली बार चार शाही अमृत स्नान भी होंगे, जिसे एक ऐतिहासिक फैसला माना जा रहा है।

कई दिनों से अर्धकुंभ की तिथियों को लेकर असमंजस की स्थिति थी, जिसके बाद आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार डाम कोठी में अखाड़ा प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मेला प्रशासन की ओर से 13 अखाड़ों के दो-दो सचिव या नामित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तिथियों की घोषणा के बाद संतों ने कहा कि यह मेला कुंभ की ही तरह दिव्य और भव्य रूप में आयोजित होगा, जिससे हरिद्वार में करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

4 शाही स्नानों सहित 10 मुख्य स्नान तय : अर्धकुंभ 2027 में कुल 10 प्रमुख स्नान पर्व तय किए गए हैं, जिनमें 4 शाही स्नान शामिल हैं।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, देसी पिस्टल जब्त

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। बिष्टुपुर थाना पुलिस ने साउथ पार्क स्थित चिन्मया स्कूल के पास एक संदिग्ध युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध विभिन्नता थानों में अनेक अपराधीक मामले दर्ज हैं। घटना के संबंध में शुक्रवार को सीटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक युवक अवैध हथियार लेकर परिसर में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में बिष्टुपुर थाना प्रभारी ने छापामारी दल का गठन कर कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान संदिग्ध अवस्था में एक युवक आदित्य झा उर्फ सन्नी (24) को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में छिपा एक देसी पिस्टल तथा उसके पास रखे पैकेट से तीन जिंदा गोलियां बरामद की गई। इसके अलावा उसके पास से एक वीवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल भी जब्त किया गया।

अवैध हथियार रखने के आरोप में उसके खिलाफ बिष्टुपुर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित पर पूर्व में भी बिष्टुपुर और आरआईटी थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अभियुक्त का नाम पुलिस की निगरानी सूची में पहले से दर्ज बताया जा रहा है। इस कार्रवाई में बिष्टुपुर थाना प्रभारी पुनि आलोक कुमार दुबे के साथ पुअनि आकाश कुमार पाण्डेय, निरज कुमार, रामप्रवेश राय, सअनि गोपाल पांडेय, आरक्षी भीम कुमार और योगेश सिन्कू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह किस उद्देश्य से हथियार लेकर घूम रहा था और इसके पीछे कौन-सी आपराधिक योजना थी।

ट्रांसफॉर्मर तोड़कर कॉपर कोर चोरी, पंप हाउस से वायर और उपकरण भी उखाड़ ले गए चोर

शिमला, एजेंसी। शिमला जिला के सुन्नी थाना क्षेत्र में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए बिजली विभाग के ट्रांसफार्मर को तोड़-फोड़ कर उसका कॉपर कोर चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, चोर ट्रांसफार्मर को बेस से गिराकर नुकसान पहुंचाने के अलावा पंप हाउस से कीमती तांबे की वायर और अन्य उपकरण भी उखाड़ ले गए। ये वारदात रात के अंधेरे में बेहद खतरनाक तरीके से की गई क्योंकि ट्रांसफार्मर को गिराने के दौरान बिजली सप्लाई बंद भी नहीं की गई थी। इससे बड़ा हादसा हो सकता था।

यह चोरी कादरेन-मांडरी पेयजल पंप हाउस को बिजली सप्लाई करने वाले 63 केवीए (22/0.4 केवी) ट्रांसफार्मर में हुई। मौके पर जांच के दौरान पाया गया कि ट्रांसफार्मर को अज्ञात लोगों ने बेस से हटाकर गिराया, उसके नट-बोल्ट खोल कर कॉपर कोर निकाल लिया और ट्रांसफार्मर ऑयल जमीन पर बिखरा पाया गया। इसके अलावा पास के पंप हाउस से चोर करीब 22 मीटर कॉपर तीन-कोर वायर, दो बसबार, दो थिम्बल तथा अन्य विद्युत इंस्टॉलेशन पार्ट्स भी चोरी करके ले गए। चोरी 26 नवंबर की रात को हुई है।

इस संबंध में पुलिस थाना सुन्नी में केस दर्ज हुआ है। शिकायत हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड सुन्नी के असिस्टेंट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) दिना नाथ अत्री द्वारा दी गई। इसमें आरोप लगाया गया कि अज्ञात चोरों ने योजनाबद्ध तरीके से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर कॉपर कोर व तांबे की तार चोरी की। सुन्नी पुलिस ने मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 305(e) BNS व 3(2)(a) PDPP एक्ट के तहत दर्ज किया है।

मामले की जांच थाना सुन्नी के हेड कांस्टेबल हेम प्रकाश नंबर द्वारा की जा रही है। पुलिस ने मौके पर निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी ने रात के समय संदिग्ध गतिविधि देखी हो तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

हावड़ा में तृणमूल ग्राम प्रधान पर फायरिंग

सहयोगी समेत घायल

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता से सटे हावड़ा जिले के सपूइपाड़ा इलाके में गुरुवार देर रात तृणमूल कांग्रेस के एक ग्राम पंचायत प्रधान और उनके सहयोगी को सरेआम सड़क पर गोली मार दी गई। घटना से इलाके में भारी दहशत फैल गई है।

हमले में घायल पंचायत प्रधान की पहचान देबब्रत मंडल उर्फ बाबू मंडल के रूप में हुई है, जबकि उनके सहयोगी का नाम अनुपम राणा बताया गया है। दोनों को गंभीर हालत में एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने खासकर मंडल की स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंडल और राणा गुरुवार देर रात एक विवाह समारोह से मोटरसाइकिल पर लौट रहे थे। बाइक राणा चला रहे थे, जबकि मंडल पीछे बैठे थे। रास्ते में कुछ अज्ञात बदमाशों ने बाइक को रोक लिया और अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

पहली गोली राणा को लगी, जिससे दोनों मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद हमलावरों ने छह-सात राउंड और फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद दोनों को स्थानीय नर्सिंग होम ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर शुक्रवार सुबह उन्हें एसएसकेएम अस्पताल रेफर किया गया। सूत्रों के अनुसार, मंडल को कंधे और पेट में गोली लगी है।

घटना के बाद राजनीतिक बयानबाज़ी शुरू हो गई है। स्थानीय टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया है कि ÷भाजपा समर्थित बदमाशों÷ ने हमला किया है। वहीं भाजपा ने इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहे तीखे गुटबाज़ी का नतीजा बताया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस राजनीतिक रंजिश और व्यक्तिगत दुश्मनी—दोनों कोणों से जांच कर रही है। हमलावर अब तक फरार हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मंडल क्षेत्र के प्रभावशाली नेता थे, जिसकी वजह से उनकी कई लोगों से दुश्मनी हो गई थी।

ई प्लेटफार्म पर बिजनस और मार्केटिंग का झांसा देकर हजारों की ठगी

जोधपुर, एजेंसी। सरदारपुरा चिल्ड्रन पार्क के पास में कारोबार करने वाले एक व्यापारी से ई प्लेटफार्म पर बिजनस बढ़ाने और मार्केटिंग के नाम पर हजारों रूपये ऐंठ लिए गए। पीड़ित ने अब कोर्ट की शरण लेकर सरदारपुरा थाने में धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज कराया है। कुछ लोगों को नामजद कर जांच आरंभ की गई है। रिपोर्ट मनीष एंटरप्राइजेज के मालिक संदीप जैन पुत्र सज्जनराज जैन की तरफ से दी गई है।

रिपोर्ट में उत्तरप्रदेश के विभूति खंड लखनउ निवासी ई-कॉम सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी चलाने वाले वसीम अहमद, यहीं की तानिया शर्मा, रूही, आकाश एवं ब्लीनकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर आदि को नामजद किया गया है।

पीड़ित ने बताया कि 10 दिसम्बर 2024 को उसको मोवाइल नम्बर पर अभियुक्त तानिया शर्मा द्वारा फोन किया गया एवं अभियुक्त वसीम अहमद की फर्म को बढ़ा चढाकर अपने कार्य के बारे मे बताया गया। यह भी बताया गया कि उनकी कम्पनी ई-कॉमर्स से रिलेटेड है और आपका प्रोडेक्ट फ्लिपकार्ट, मिंतरा, एमेजन एवं अन्य ई-प्लेटफार्म पर प्रोडेक्ट का रजिस्ट्रेशन करवायेंगे एवं मार्केटिंग का कार्य भी करेंगे एवं और भी बहुत सारे फायदे बताए गए। झांसे में आने पर संदीप जैन ने 16 दिसंबर 2024 को 7,080 रूपये उनके बता अनुसार खाते में ट्रांसफर किए। इसके बाद संबंधित दस्तावेज भी उन्हें भेजे गए। उसके कहा गया कि पैसे का 30 प्रतिशत कम्पनी अपने पास रखेगी एवं 70 प्रतिशत रिफण्ड कर दिया जायेगा। बाद में पीड़ित ने जनवरी 25 तक अलग अलग मद में रूपए भेजे थे, कुल 55,418 रूपये उनको दिए गए।

पीड़ित ने जब रजिस्ट्रेशन आदि के बारे में पूछना चाहा तो उन लोगों ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। उन्हें वाटसअप पर मैसेज भी भेजे गए। मगर कोई जवाब नहीं मिला। अंतिम बाद में एक आरोपित रूही से बात की तो उसे धमकियां मिली कि उसका एकाउंट खाली कर दिया जाएगा और वह कुछ नहीं कर पाएगा।

नारायणगढ़ में सड़क हादसा, अनियंत्रित लारी पलटने से दो घायल

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। नारायणगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार देर रात ओडिशा जा रही सब्जी-लदी लारी पलट गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। घटना देर रात नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के कूचली इलाके में खड़गपुरङ्कबालेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर हुई। जानकारी के अनुसार, कोलकाता से सब्जी लेकर ओडिशा जा रही एक लोरी अचानक यांत्रिक खराबी के कारण अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर पर चढ़ते हुए दो पलटी खाकर उलट गई। हादसे में लारी में सवार दो लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम और नारायणगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और एनएच अधिकरण के संयुक्त प्रयास से घायलों को तुरंत बेलदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस और एनएच कर्मियों ने मिलकर सामान्य कर दिया। दुर्घटनाग्रस्त लोरी को भी सड़क से हटाकर मार्ग पूरी तरह बहाल किया गया।

55 लाख से अधिक की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान 186 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद हुई स्मैक की कीमत 55 लाख से अधिक बताई है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली मंगलौर पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 186 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिसकी बाजार में कीमत 55 लाख से अधिक बतायी गयी है। आरोपित का नाम पता नावेद पुत्र असगर है और वह ग्राम पाडली गुर्जर कोतवाली गंगनहर रूड़की जिला हरिद्वार का निवासी है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

कश्मीर घाटी में लगभग हर जगह तापमान शून्य से नीचे दर्ज

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बड़े हिस्सों में रात के तापमान में काफी गिरावट देखी गई है क्योंकि यह इलाका शुक्रवार को भी कड़ाके की ठंड की चपेट में रहा। कश्मीर घाटी में लगभग हर जगह तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में तापमान शून्य से नीचे 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि काजीगुंड में शून्य से नीचे 4.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। टूरिस्ट जगहों पर भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है, पहलगाम में तापमान शून्य से नीचे 5.5 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में इस मौसम का सबसे कम तापमान रिकॉर्ड किया गया, पुलवामा और अनंतनाग में तापमान शून्य से नीचे 6.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, पंपोर में शून्य से नीचे 6.0 डिग्री सेल्सियस रहा और शोपियां में शून्य से नीचे 6.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। श्रीनगर एयरपोर्ट में शून्य से नीचे 6.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बहुत ठंडा रहा।

उत्तर कश्मीर के कई इलाकों में भी बहुत ज्यादा ठंड रही। कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस, बांदीपोरा में शून्य से नीचे 4.9 डिग्री सेल्सियस, बारामूला में शून्य से नीचे 5.9 डिग्री सेल्सियस और ज़ेथन राफियाबाद में शून्य से नीचे 5.3 डिग्री सेल्सियस रहा। सेंट्रल कश्मीर में बडगाम में शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस, गांदरबल में शून्य से नीचे 3.5 डिग्री सेल्सियस और सोनमर्ग में शून्य से नीचे 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे ज्यादा ऊंचाई वाली जगह ज़ोजिला पास में शून्य से नीचे 16.0 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा ज़ोन रहा।

जम्मू इलाके में ठंड का असर कम रहा जहाँ ज्यादातर जगहों पर तापमान जमावट बिंदू से ऊपर रहा। जम्मू में 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि पास के कटरा और कठुआ में 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि पहाड़ी इलाकों में ज्यादा ठंड महसूस हुई, भद्रवाह में तापमान जमावट से थोड़ा नीचे शून्य से नीचे 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि उधमपुर, बनिहाल और बटोत में 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा।दूसरे स्टेशनों में रामबन 3.2 डिग्री सेल्सियस, सांबा 3.4 डिग्री सेल्सियस, राजौरी 1.4 डिग्री सेल्सियस, डोडा 2.9 डिग्री सेल्सियस, किश्तवाड़ 3.5 डिग्री सेल्सियस और रियासी 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा। लद्दाख में रात का टेम्परेचर ज़ीरो से भी नीचे रहा जिससे इलाके में सर्दी का लंबा दौर जारी रहा। कारगिल में शून्य से नीचे 9.6 डिग्री सेल्सियस, लेह में शून्य से नीचे 8.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि नुब्रा वैली में शून्य से नीचे 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

देश के कई जिलों में मौसम पलटा

बारिश से सर्दी का अहसास बढ़ा

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश के कुछ जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला गया। गुरुवार को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जयपुर सहित अजमेर, ब्यावर, डीडवाना और सीकर जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा जालौर, सिरोही, राजसमंद, पाली, सिरोही के पिंडवाड़ा, मकराना, परबतसर और पाली के तखतगढ़ क्षेत्रों में भी वर्षा हुई।

जयपुर में शुक्रवार सुबह से ही बादल छाए रहे और कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी जारी रही। तेज सर्द हवा के चलते ठंड का अहसास भी बढ़ने लगा है। आसमान में बादल छाए रहे और सुबह ग्यारह बजे तक सूरज के दर्शन नहीं हुए।

मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। शुकवार को जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश, बूंदाबांदी की संभावना है। शनिवार को अजमेर, जयपुर और उदयपुर संभागों में हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। 29 और 30 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मध्यम से घना कोहरा छाने की आशंका है।विभाग ने अजमेर, नागौर, जयपुर और टोंक जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के अनुसार, कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश व मेघगर्जन की संभावना बनी हुई है।

कुर्ला में गोदाम में लगी भीषण आग

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के कुर्ला इलाके में एक गोदाम में गुरुवार की देर रात आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। बीएमसी प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार कुर्ला पश्चिम के किस्मत नगर के खलील शेख चॉल के गोदाम में गुरुवार देर रात आग लगी। सूचना मिलते ही फौरन दमकल कर्मियों की टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। इस बीच स्थानीय पुलिस और वार्ड कर्मचारी एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम ने मध्य रात्रि तक आग पर काबू पा लिया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग को बुझाने के बाद गोदाम में ठंडा करने का काम चल रहा है। आग लगने के कारणो का पता नहीं चल सका है। आगे की जांच जारी है।

गुवाहाटी में तड़के लगी भीषण आग में कॉस्मेटिक दुकान जलकर राख

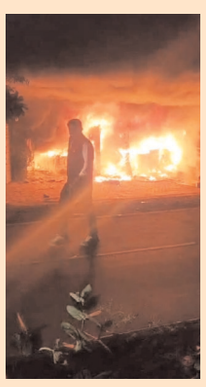

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी के बशिष्ठ चारिआली क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसमें शर्मा कॉस्मेटिक नामक दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई गई है।

इस आगजनी में लगभग 20 लाख रुपये मूल्य का सामान जलकर नष्ट हो गया। मौके पर पहुंचे अग्निशमन दल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हांगकांग की आठ आवासीय इमारतों में लगी आग में अब तक 94 की मौत

हांगकांग, एजेंसी । दुनिया में अपनी निराली चमक और दमक के लिए विख्यात हांगकांग अपने इतिहास की भयावह आग से जूझ रहा है। परसों आठ बहुमंजिला आवासीय इमारतों (टॉवर्स) में लगी आग में आज सुबह तक 94 लोगों की जान चली गई। इनमें से चार इमारतों की आग गुरुवार रात तक बुझाई जा चुकी थी। तीन इमारतों में दमकल विभाग के कर्मचारी कड़ी मशक्कत कर रहे थे। एक टॉवर को सुरक्षित बताया गया था। अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान की आखिरी कोशिशों के बीच आग फिर भड़क गई और इलाका धुआं से भर गया। आग की चपेट में आए यह सभी टॉवर ताई पो के वांग फुक कोर्ट क्षेत्र में हैं।

हांगकांग में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले द स्टैंडर्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के घटनास्थल से पांच शव और मिले। इनमें दो शव बच्चों के हैं। गुरुवार शाम लगभग पांच बजे एक इमारत में फिर से आग भड़क गई। घटनास्थल पर पहले से मौजूद दमकल विभाग के कर्मचारियों ने पानी का छिड़काव करने के लिए ऊंची सीढ़ी लगाई। रात भर जीवित लोगों की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने प्रभावित क्षेत्र से पांच शव निकाले। इनमें दो बच्चों के हैं।

दमकल विभाग ने अब तक 94 लोगों की मौत हो जाने की पुष्टि की है। 78 लोग बेहद गंभीर हैं। इन आठ टॉवर्स में करीब 2,000 फ्लैट हैं। अधिकारियों ने कल बताया था कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो निदेशक और एक सलाहकार अभियंता है। स्वास्थ्य सचिव लो चुंग-माऊ का कहना है कि इस त्रासदी में बहुत से लोगों की मौत धुआं में दम घुटने से भी हुई है। गिरफ्तार अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

निकी हेली के बेटे ने कहा- मैं भारत के प्रति वफादार नहीं हूं और न ही मेरा कोई लगाव हैं

वाशिंगटन, एजेंसी । भारतीय मूल की अमेरिकी रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति उम्मीदवार निकी हेली के बेटे नलिन हेली ने साफ कर दिया कि उनका भारत से कोई लेना देना नहीं है। वे न भारत के प्रति कोई लगाव रखते हैं और न ही वफादारी। इंटरव्यू में 24 वर्षीय नलिन ने कहा कि उनकी निष्ठा पूरी तरह अमेरिका के प्रति है और उनका भारत से कोई विशेष भावनात्मक जुड़ाव नहीं है।नलिन ने कहा- मैंने हमेशा सिर्फ अमेरिका को ही जाना है। मैं उस देश के प्रति कोई अजीब सी वफादारी नहीं रख सकता, जहां मैं कभी गया ही नहीं।

उन्होंने वर्तमान अमेरिकी आर्थिक परिस्थिति का हवाला देते हुए कानूनी प्रवास को सीमित करने की वकालत की। नलिन के अनुसार, जब अमेरिकी कंपनियां अपने ही नागरिकों को पर्याप्त नौकरियां नहीं दे पा रही हैं और एआई कई रोजगार क्षेत्रों पर कब्जा कर रहा है, तब विदेशी कर्मियों को लाना गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने ही युवाओं को नौकरी नहीं दे पा रहे, तब विदेशी कर्मचारियों को यहां बुलाने का कोई मतलब नहीं बनता। नलिन ने खुद को जनरेशन जेड का प्रतिनिधि बताते हुए रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) पर आरोप लगाया कि वह युवा अमेरिकियों की चिंताओं को नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी कॉरपोरेट हितों को आम अमेरिकी कर्मचारियों के ऊपर प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने इंडियन-ओरिजिन राजनेता जोहरन ममदानी की न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव में जीत पर भी टिप्पणी की और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी युवाओं की भावनाओं से कट चुकी है। नलिन ने कहा कि डेमोक्रेट्स युवाओं की बात सुन रहे हैं, अब समय है कि रिपब्लिकन भी ऐसा करें। विलनोवा यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस की डिग्री रखने वाले नलिन हेली ने कहा कि वे फिलहाल राजनीति में आने की योजना नहीं रखते। हालांकि, वे उम्मीद करते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी जनरेशन जेड के दृष्टिकोण को अपनाएगी। इंटरव्यू के अंत में नलिन ने कहा कि वे एक क्रिश्चियन, पॉपुलिस्ट और नेशनलिस्ट हैं और चाहते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी सामान्य अमेरिकी कामगारों को कॉरपोरेट अभिजात्य वर्ग से ऊपर रखे।

पंजाब से अमेरिका पहुंचे दादा की थी प्रतिष्ठित पहचान: नलिन के नाना अजीत सिंह रंधावा मूल रूप से पंजाब के रहने वाले थे और बाद में अमेरिका जाकर उन्होंने एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक करियर बनाया। इसके बावजूद नलिन ने स्वयं को अमेरिकी पहचान तक सीमित बताया है। हाल ही में नलिन हेली ने एच-1बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने और कानूनी प्रवास कम करने की मांग कर सुर्खियां बटोरी थीं। उनका मानना है कि वर्तमान आर्थिक माहौल में यह जरूरी कदम है। नलिन का कहना है कि युवा रिपब्लिकन अब आर्थिक मुद्दों पर नए तरीके से सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाउसिंग संकट और अंदरूनी व्यापार जैसी भ्रष्टाचार की चिंताएं हमें परेशान कर रही हैं। मेरी पीढ़ी अब उस बाजार व्यवस्था पर विश्वास नहीं करती जो बिल्कुल बेपरवाह और कानूनविहीन हो चुकी है।

गीता जयंती पर होगा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन

अपर कलेक्टर ने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 1 दिसंबर को गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने जिले में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर ने बताया कि शासन द्वारा कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन हेतु विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के अनुरूप सभी गतिविधियों को समयसीमा में पूर्ण कर उच्च स्तर पर आयोजन सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

जिलास्तरीय मुख्य कार्यक्रम पूजा पार्क, सीधी में 01 दिसंबर 2025 को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीमद्भागवत गीता के 15वें अध्याय के आधार पर गीता पाठ कराया जाएगा, जिसमें 1100 गीता पाठी/विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है। साथ ही स्थानीय संतों द्वारा गीता के महत्व एवं इसके व्यवहारिक अनुप्रयोग पर केंद्रित प्रेरक व्याख्यान भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी प्रस्तावित है।

अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी श्रीकृष्ण मंदिरों एवं प्रमुख मंदिरों में विशेष साफ-सफाई, श्रृंगार एवं प्रकाश व्यवस्था की जाए। उन्होंने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही विश्व गीता प्रतिष्ठानम के जिला प्रमुख एडवोकेट महेंद्र शुक्ला एवं करुणेश तिवारी के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, एसडीएम गोपद राकेश शुक्ला, कार्यक्रम प्रभारी डिप्टी कलेक्टर प्रियल यादव, नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र हैंडओवर से पहले जर्जर, ग्रामीण बोले- बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी; जिला प्रशासन से जांच कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। केशवाही क्षेत्र के बचरवार में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र की इमारत हैंडओवर से पहले ही जर्जर होने लगी है। कुछ महीने पहले बनी इस बिल्डिंग में दरारें, उखड़ता प्लास्टर और क्षतिग्रस्त संरचनाएं सामने आई हैं, जिस पर ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, भवन का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक इसे हैंडओवर नहीं लिया है। हैंडओवर प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही दीवारों और खंभों में दरारें आने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संदेह पैदा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नए भवन की यह स्थिति है तो भविष्य में इसकी उपयोगिता और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

ग्रामीण बोले-पूरी बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई: गांव के युवाओं ने उप स्वास्थ्य केंद्र की दीवारों से झड़ते प्लास्टर, टूटे किनारे और निर्माण में इस्तेमाल घटिया सामग्री को वीडियो में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में साफ तौर पर दिख रहा है कि कई जगहों पर प्लास्टर हाथ लगाते ही झड़ रहा है और फर्श भी उखड़ने लगा है। इससे विभाग की निगरानी व्यवस्था और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग गया है। ग्रामवासियों में इस निर्माण को लेकर भारी नाराजगी है। स्थानीय निवासी रमेश ने आरोप लगाया कि यह पूरी बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में दीवारों की ऐसी हालत होना निर्माण में भारी गड़बड़ी का प्रमाण है। अन्य ग्रामीणों ने भी आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग की: ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से भवन की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। साथ ही, घटिया निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की है।

इस संबंध में विभागीय अधिकारियों ने बताया है कि मामला संज्ञान में आने के बाद जल्द ही एक जांच टीम मौके पर भेजी जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, वे आंदोलन करने को तैयार हैं।

आईएएस वर्मा के खिलाफ ब्राह्मण समाज का प्रदर्शन, पुतला जूतों से पीटा; पुलिस से झड़प में युवक घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शुक्रवार शाम ब्राह्मण समाज ने आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संतोष वर्मा द्वारा कथित तौर पर ब्राह्मण समाज की महिलाओं और बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करने के विरोध में था। प्रदर्शनकारियों ने उनका पुतला जूतों और चप्पलों से पीटा और फिर उसे जला दिया। प्रदर्शन के दौरान, पुतला दहन करते समय पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। मौके पर तैनात सब इंस्पेक्टर राजमणि वर्मा ने पुतले में लगी आग बुझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान उन्होंने पानी की टंकी फेंक दी और अभद्र टिप्पणी भी की।

पानी की यह टंकी ब्राह्मण समाज के युवक वीरेंद्र पांडे के सिर पर लगी, जिससे वह घायल हो गए और मौके पर हंगामा मच गया। घायल युवक वीरेंद्र पांडे ने बताया कि वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, तभी राजमणि वर्मा ने उनके सिर पर पानी की टंकी मारी और उनसे विरोध करने का कारण पूछा। इस घटना के संबंध में जब सब इंस्पेक्टर राजमणि वर्मा से सवाल किया गया, तो उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'किसे चोट लगी है, उससे पूछिए... मुझे मत पूछिए।'

सरकार वर्मा को बर्खास्त करे: अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष पंडित राकेश दुबे ने आईएएस संतोष वर्मा की टिप्पणी को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए ऐसा बयान निंदनीय है। दुबे ने सरकार से संतोष वर्मा को तत्काल बर्खास्त करने और उनके खिलाफ स्रकुक्र दर्ज करने की मांग की, चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर आंदोलन जारी रहेगा।

भीड़ बढ़ने से स्थिति बिगड़ी: कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुलिसकर्मी का इरादा मारपीट करना नहीं था। भीड़ बढ़ने के कारण स्थिति अचानक बिगड़ गई थी, जिसे अब शांत कर दिया गया है।

शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय की छात्राओं का वोकेशनल शैक्षिक भ्रमण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय सीधी की छात्राओं द्वारा आज वोकेशनल शैक्षिक भ्रमण किया गया। इस भ्रमण के अंतर्गत छात्राओं ने नवोदय विद्यालय चुरहट तथा गायत्री शक्तिपीठ पड़खुड़ी का अवलोकन किया। नवोदय विद्यालय चुरहट पहुँचने पर प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ द्वारा छात्राओं का स्वागत कर आईटी लैब, लाइब्रेरी, स्टाफ रूम, गर्ल्स हॉस्टल तथा मेस का विस्तृत भ्रमण कराया गया। छात्राओं ने विद्यालय के सुंदर, व्यवस्थित और शैक्षणिक वातावरण की सराहना की।

इसके उपरांत छात्राएँ पड़खुड़ी स्थित वेदमाता गायत्री आश्रम एवं साधना-ज्ञान स्थली पहुँची, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक वातावरण, अनुशासन एवं संचालित गतिविधियों को निकट से देखा। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

विधानसभा के 21 बीएलओ सम्मानित एसआईआर कार्य में शत-प्रतिशत उपलब्धि पर प्रशस्ति पत्र प्रदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य करते हुए विधानसभा क्षेत्र 77 सीधी के 21 बीएलओ ने शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि पर सभी को शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मानित बीएलओ में मतदान केंद्र 33 अमरवाह के गोविन्द प्रताप सिंह, 48 रोझौहा की ममता सिंह, 241 वार्ड 24 सीधी के मो. इजरान मंसूरी, 243 रामपुर के प्रेमसागर शर्मा, 283 वमुरी की नीतू दुबे, 10 झगरहा के कृष्णराज सोनी, 32 अमरवाह के प्रदीप रजक, 35 पनवार बघेलान के महेश सिंह, 36 वसौडहा के जीवेन्द्र सिंह, 37 नौगवाधीर सिंह के आशीष कुमार सिंह, 104 छिवलहा के विजय बहादुर सिंह, 127 करवाही के राममनोहर प्रजापति, 138 झुमरिया के अम्बिकेश शुक्ला, 154 पोखड़ौर के जीतेन्द्र शुक्ला, 167 कुचवाही की ऊषा गुप्ता, 168 जनकपुर के रविशंकर शुक्ला, 179 बेंदुआ के अजय मिश्रा, 194 देवघटा की प्रियंका सिंह, 195 मोहनिया की आशा सिंह, 244 रामपुर के सुनील कुमार चर्मकार तथा 287 छुहिया के रामप्रताप सिंह शामिल हैं। सभी बीएलओ ने समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण डिजिटाइजेशन कार्य कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 77 सीधी राकेश शुक्ला ने सभी बीएलओ के कार्य की सराहना की और कहा कि उनका यह प्रयास अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने शेष कार्य को समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए अधिकारियों और बीएलओ को आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सटीक और अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और प्रत्येक अधिकारी को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना चाहिए। इस अवसर पर तहसीलदार गोपद बनास राकेश कुमार शुक्ला और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा नायब तहसीलदार गोपद बनास एकता शुक्ला उपस्थित रहे।

सफाई पर 1.30 करोड़ खर्च, फिर भी वार्ड में 42 कचरे का अंबार; लोग खुद कर रहे सफाइ

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम सिंगरौली सफाई व्यवस्था पर हर महीने लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए खर्च करने का दावा करता है। निगम का कहना है कि शहर की सभी गलियों में प्रतिदिन सफाई होती है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत है। ताजा मामला वार्ड नंबर 42 के थाना रोड का है। यह क्षेत्र कथित तौर पर वीआईपी इलाकों में शामिल है, लेकिन यहां की गलियां कचरे के ढेर में तब्दील हो गई हैं।

स्थानीय निवासी खुद झाड़ू उठाकर अपनी गलियां साफ करने को मजबूर हैं। वार्ड की इसी गली में रहने वाले मनोज कुमार शाह ने बताया कि यहां कभी नियमित सफाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि महीनों से गली में न तो सफाईकर्मी दिखाई देते हैं, न ही कोई वाहन आता है। जब भी समय मिलता है, हम खुद सफाई करते हैं। निगम सिर्फ कागजों में सफाई दिखा रहा है।

प्रभारी बोले रोज हो रही सफाई: इस संबंध में स्वच्छता प्रभारी बालगोविंद चतुर्वेदी से बात की। उन्होंने दावा किया कि शहर की सभी सड़कों और गलियों में हर रोज झाड़ू लगता है। 'आपके द्वारा बताए गए वार्ड की स्थिति की जांच कराई जाएगी। यदि किसी की लापरवाही पाई जाती है तो उस पर कार्रवाई होगी। सफाई अभियान निरंतर जारी रहेगा।'

गीता जयंती एवं विक्रमोत्सव 2025 के सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने आदेश जारी कर जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाले गीता जयंती एवं विक्रमोत्सव 2025 से संबंधित सभी कार्यों के कुशल संचालन हेतु प्रभारी एवं नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। जारी आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर प्रियल यादव को प्रभारी अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर ने नोडल अधिकारी पवन कुमार सिंह को निर्देशित किया है कि वे प्रभारी अधिकारी से सतत संपर्क बनाए रखें तथा मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त आवश्यक है।

खजूरी छात्रावास में अव्यवस्थाओं की शिकायत, छात्र और ग्रामीणों ने डीईओ से मिले; अब पूरी टीम करेगी जांच

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। खजूरी स्थित शासकीय 100 सीटर बालक छात्रावास में अव्यवस्थाओं और अधीक्षक की कार्यशैली को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। बच्चों और ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) पवन सिंह से लिखित शिकायत की है। शिकायत दर्ज होने के बाद डीईओ ने मामले की जांच के लिए एक टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। छात्रों के अनुसार, छात्रावास अधीक्षक शशिकांत पांडे सप्ताह में केवल एक दिन ही छात्रावास में रुकते हैं। नियमानुसार, अधीक्षक को छात्रों के साथ ही निवास करना अनिवार्य है। बच्चों ने भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि उन्हें महीनों से मीठे में खीर या सेवई नहीं दी गई है। जब वे इस बारे में पूछते हैं तो उन्हें डांटकर भगा दिया जाता है।

छात्रावास में उपस्थिति को लेकर भी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। छात्रावास में 94 बच्चे पंजीकृत हैं, लेकिन प्रतिदिन केवल 10-15 छात्र ही उपस्थित रहते हैं। इसके बावजूद उपस्थिति रजिस्टर में सभी बच्चों की हाजिरी दर्ज की जाती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कम संख्या के बावजूद बच्चों के नाम पर आने वाली सामग्री का हिसाब स्पष्ट नहीं है। स्थानीय ग्रामीण विजय कुमार तिवारी ने बताया कि जब वे बच्चों की स्थिति देखने छात्रावास पहुंचते हैं, तो उन्हें अंदर जाने नहीं दिया जाता।

नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान के तहत 1200 विद्यार्थियों को दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में जिले में नशामुक्ति जागरूकता अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला सीधी धनंजय मिश्रा द्वारा कमला कॉलेज पड़रा में लगभग 1200 विद्यार्थियों एवं स्टाफ को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में मिश्रा ने युवाओं एवं विद्यार्थियों को मद्यपान, नशीली दवाओं तथा मादक पदार्थों से होने वाली गंभीर बीमारियों, स्वास्थ्य हानि तथा सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की प्रवृत्ति समाज को कमजोर करती है, इसलिए युवा पीढ़ी को हर प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। विद्यार्थियों को ऑनलाइन नशामुक्ति प्रतिज्ञा (ई-शपथ) लेने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, समस्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ, सामाजिक न्याय एवं डी.डी.आर.सी. सीधी से सी.पी. तिवारी, प्रभात कुमार शुक्ला एवं कु. नम्रता मिश्रा उपस्थित रहे। धनंजय मिश्रा उप संचालक सामाजिक न्याय जिला सीधी ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों, अधिकारियों-कर्मचारियों, सभी शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्यों, संपूर्ण स्टाफ, विद्यार्थियों, ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायकों, सभी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा युवाओं से नशा न करने एवं नशामुक्ति की ऑनलाइन शपथ लेने की अपील की है।

संभागीय रोल प्रेक्षक कमिश्नर ने चुरहट एवं विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

कार्यों की प्रगति पर जताई संतुष्टि, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर एवं संभागीय रोल प्रेक्षक बी.एस. जामोद ने गुरुवार, 27 नवंबर को सीधी जिले के विधानसभा क्षेत्र 76 चुरहट में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का विस्तृत एवं प्रभावी अवलोकन किया। उन्होंने क्रमवार मतदान केंद्रोंकृ113, 114, 115, 116, 117, 118 एवं 119कृपर पहुँचकर बूथ लेवल अधिकारियों से पुनरीक्षण कार्य की वास्तविक प्रगति जानी।

कमिश्नर जामोद ने उन मतदाताओं के संबंध में विशेष निर्देश दिए जिनकी जानकारी की फीडिंग शेष है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे मतदाताओं से बार-बार संपर्क कर सही एवं अद्यतन जानकारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही नो-मैपिंग, मृतक, शिफ्टेड एवं रिपीटेड मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों की सूक्ष्म समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने पर बल दिया।

अवलोकन के दौरान कमिश्नर जामोद ने पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में बीएलओ रामावतार पटेल मतदान केंद्र 124, शिवदयाल साहू 117, नवीन अग्निहोत्री 100, निर्भय सिंह पटेल 168, दुर्गावती पटेल-आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 135, प्रमोद तिवारी 127, पवन पांडे 98, बीएलओ सहायक अशोक यादव तथा मास्टर ट्रेनर दयाशंकर द्विवेदी शामिल रहे। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शैलेश द्विवेदी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं प्रभारी तहसीलदार साक्षी गौतम, सुषमा रावत, राम प्रताप सोनी चुरहट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन राजीव तिवारी, निर्वाचन प्रोग्रामर दीपक पाण्डेय, सेक्टर अधिकारी अरुण सोनी, सेक्टर सुपरवाइजर सूर्यवान सिंह, ग्राम सरपंच स्नेहलता सिंह, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री जामोद ने अधिकारियों में जिम्मेदारी एवं टीम भावना की सराहना करते हुए कहा किकृ विशेष गहन पुनरीक्षण एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। प्रत्येक मतदाता तक सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पहुँचना लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाता है।

चुरहट क्षेत्र में चल रहे पुनरीक्षण कार्य की गति और गुणवत्ता को देखते हुए उन्होंने संपूर्ण टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कमिश्नर ने सीधी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र सोनवर्षा और कठौतहा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला भी उपस्थित रहे।

आवश्यक कार्य में अड़ंगा, एसआईआर का विरोध गलत

संपादकीय

यह सही है कि चुनाव आयोग को किसी की नागरिकता जांचने का अधिकार नहीं, लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं कि वह उन दस्तावेजों का सत्यापन ही न करे, जो एसआईआर की प्रक्रिया के तहत उसे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह सही समय है कि सुप्रीम कोर्ट गृह मंत्रालय को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के जरिये नागरिकता जांचने का आदेश दे। यदि यह काम नहीं किया जाता तो घुसपैठिए फर्जी दस्तावेजों के जरिये भारत के मतदाता बनते ही रहेंगे। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में जैसे तर्क दिए जा रहे हैं, उससे यही स्पष्ट होता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इस आवश्यक प्रक्रिया में अड़ंगा लगाने की कोशिश हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर अड़ंगा लगाने वालों को आईना ही दिखाया कि बिहार में तो एक भी व्यक्ति यह शिकायत करने नहीं आया कि उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है।यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार में एसआईआर के समय कुछ खास लोगों के वोट काटे जाने का आरोप उछालने वाले भी ऐसे कथित पीड़ित लोगों का उदाहरण नहीं दे सके थे। हालांकि बिहार में एसआईआर पर उन्हें मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वे बाज नहीं आ रहे हैं और अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़े हैं। यह तब है, जब एसआईआर वाले राज्यों में करीब 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका मतलब है कि लोग इस प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं।

एसआईआर होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है या फिर जो अन्यत्र चले गए हैं। इसके अलावा ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास दोहरे मतदाता पहचान पत्र हैं। चुनाव आयोग एसआईआर के जरिये इन्हीं विसंगतियों को दूर कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों को पता नहीं क्यों यह रास नहीं आ रहा है। वे मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआईआर भी नहीं होने देना चाहते।

यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग को दस्तावेजों की सत्यता जांचने का अधिकार है। उसे यह अधिकार मिलना ही चाहिए, क्योंकि यह एक तथ्य है कि फर्जी दस्तावेजों के सहारे मतदाता पहचान पत्र से लेकर आधार तक हासिल कर लिए गए हैं। यह आशंका निराधार नहीं कि बंगाल जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मतदाता बन बैठे हैं। उनके बांग्लादेश लौटने से इसकी पुष्टि भी होती है। यह ठीक है कि पहचान पत्र के रूप में आधार भी मान्य है, लेकिन उसे भी फर्जी तरीके से बनवाया गया हो सकता है।

फ़िलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

दिलीप कुमार पाठक

(29 नंवबर फ़िलीस्तीन एकजुटता दिवस)

फ़िलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फ़िलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाज़ा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फ़िलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। ग़ाज़ा में पिछले वर्षों में हज़ारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाक़ा अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुज़र रहा है, और नाज़ुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है द्य गाज़ा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं ।

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, ICRC ने 20 बंधकों को इज़राइली अधिकारियों और 1,808 फ़िलिस्तीनी बंदियों को गाज़ा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और ICRC ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फ़िलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फ़िलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फ़िलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है।

इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फ़िलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फ़िलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सज़ा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है। फ़िलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख़ नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाज़ा में 52,000 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज़्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फ़िलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे। पूर्व में फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाज़ा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। UNRWA 663 से ज़्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमज़ोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है।

भारत में शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता मिलने के बाद भी कई राज्यों में आधारभूत ढाँचे, जनसंख्या वृद्धि, वित्तीय बाधाओं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण प्राथमिक शिक्षा की पहुँच प्रभावित होती रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल सरकार को प्राथमिक और लोअर प्राइमरी स्कूल खोलने के स्पष्ट निर्देश देना इसी संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने राज्य की स्थिति पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जो राज्य खुद को शिक्षाक्षेत्र में शत प्रतिशत साक्षर होने का दावा करता है, वहाँ स्कूली ढाँचे की ऐसी स्थिति बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिक्षा में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और तीन महीने के भीतर नई नीति बनाना अनिवार्य है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल सरकार को स्कूल खोलने के निर्देश देकर कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार की पुनर्स्थापना की

कांतिलाल मांडोत

यह निर्णय न केवल केरल के लिए बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक दिशा-सूचक संदेश है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि शिक्षा के अधिकार को केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर लागू करने की आवश्यकता है। शिक्षा का अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी पर सुप्रीम ने चिंता जताई।सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि शत-प्रतिशत साक्षरता का दावा करने वाला राज्य भी प्राथमिक स्कूलों की कमी से जूझ रहा है, तो यह बेहद गंभीर स्थिति है। कोर्ट ने शिक्षा को प्रत्येक बच्चे का मूलभूत अधिकार बताते हुए कहा कि शिक्षा में कोई कमी स्वीकार नहीं की जाएगी।सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी दो बड़े मुद्दों पर रोशनी डालती है।राज्य की प्राथमिक शिक्षा के प्रति ढिलाई, और स्कूलों की पहुँच का अभाव, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।

भारत में शिक्षा का अधिकार: आरटीई स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जानी चाहिए, और इसके लिए पर्याप्त संख्या में स्कूल उपलब्ध होना अनिवार्य है।हर एक किलोमीटर के दायरे में प्राथमिक स्कूल होना आवश्यक है कोर्ट की सख्त टिप्पणी और सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि केरल के कई क्षेत्रों में एक किलोमीटर के दायरे में प्राथमिक स्कूल उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति आरटीई एक्ट 2009 के निर्देशों के सीधे उल्लंघन में आती है।आरटीई के नियम के अनुसार लोअर प्राइमरी स्कूल अधिकतम 1 किमी दूरी पर होना चाहिए।अपर प्राइमरी स्कूल अधिकतम 3 किमी के दायरे में होना चाहिए।

कोर्ट ने इस अभाव को बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए कहा कि जब तक स्थायी स्कूल भवन उपलब्ध न हो, तब तक प्राइवेट बिल्डिंग का उपयोग कर अस्थायी रूप से स्कूल चलाए जा सकते हैं।इस तरह कोर्ट ने शिक्षा के बुनियादी अधिकार की रक्षा करते हुए व्यावहारिक समाधान भी सुझाए।बजट व्यवस्था और संसाधनों की कमी पर कोर्ट का स्पष्ट रुख है। राज्य सरकारें अक्सर शिक्षा पर बजट की कमी का हवाला देती हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि बजट का इंतजाम सरकार की जिम्मेदारी है, बच्चों की शिक्षा किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए।यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकिकई राज्यों में शिक्षा को लेकर बजट प्राथमिकता में नहीं होता।

सरकारी योजनाएं कागजों पर रह जाती हैं।वित्तीय बाधाओं के कारण स्कूलों का निर्माण और संचालन प्रभावित होता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश राज्य सरकारों को शिक्षा बजट में पारदर्शिता और प्राथमिकता देने का मार्ग दिखाता है।शिक्षक की कमी के मद्देनजर रिटायर्ड शिक्षकों की अस्थायी नियुक्ति का सुझाव भी दिया गया।कोर्ट को जानकारी दी गई कि स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया धीमी है और कई पद खाली पड़े हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया किरिटायर्ड शिक्षकों को अस्थायी रूप से नियुक्त किया जा सकता है,ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। यह समाधान बेहद व्यावहारिक है क्योंकि रिटायर्ड शिक्षक अनुभवी होते हैं और प्रशासनिक देरी के बीच शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। केरल का शिक्षा मॉडल और मौजूदा चुनौतियाँभी मुहफाडे खड़ी है।केरल का शिक्षा मॉडल विश्व स्तर पर सराहा जाता रहा है। वहाँ की साक्षरता दर 95त्न से अधिक है। सार्वजनिक स्कूलों की गुणवत्ता देश में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है।

सरकारी स्कूलों में एडमिशन बढ़ रहा है।इसके बावजूद कुछ क्षेत्रों में स्कूलों की कमी चौंकाती है। क्योकि नई बस्तियों में स्कूलों का अभावदिखाई दे रहा हैजनसंख्या का असमान वितरण भी बड़ा कारण है। पुराने स्कूलों का विलय या बंद होना भी दूसरा बड़ा कारण है। नई स्कूल नीति का अभाव भी शिक्षा स्तर को प्रभावित करता है।सुप्रीम कोर्ट ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तीन महीने में व्यापक नीति बनाने का निर्देश दिया है।

शिक्षा की कमी का व्यापक असर बच्चो के भविष्य पर पड़ता है।जब प्राथमिक स्तर पर स्कूल उपलब्ध नहीं होते, तो इसका असर केवल पढ़ाई पर नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक विकास पर भी पड़ता है।इससे प्रभावित होने वाले मुद्दे पर ध्यान देना जरूरी है।स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती है।

लड़कियों की शिक्षा पर इससे गंभीर प्रभाव पड़ता है।क्योंकि बाल श्रम की आशंका बढ़ती है। और इतना ही नही ,समाज में असमानता गहरी होती है। ग्रामीण और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इसलिए कोर्ट का यह निर्देश बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने वाले दूरगामी परिणाम रखता है। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में मामला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा की पहुँच, गुणवत्ता और समान अवसरों पर जोर है।लेकिन यदि किसी राज्य में आधारभूत ढांचा ही उपलब्ध न हो तो नीति बेअसर हो जाती है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप रास्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को मजबूती देगा,सभी राज्यों के लिए मिसाल बनेगा,प्राथमिक शिक्षा को नीति-निर्माण का मुख्य केंद्र बनाएगा। न्यायपालिका की सक्रियता शिक्षा सुधार में अहम भूमिका। निभाएगी।भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं।यह मामला भी उसी परंपरा का विस्तार है जहाँ अदालत बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सामने आई है।

न्यायपालिका का यह सख्त रुख महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों की शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है,

सरकारें किसी बहाने से पीछे नहीं हट सकतीं,शिक्षा का अधिकार केवल किताबों का विषय नहीं बल्कि व्यावहारिक सच्चाई है। आने वाले समय में संभावित सुधार औरसुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल सरकार को तीन महीने में नीति बनाने का निर्देश दिए जाने के बाद अपेक्षित सुधार की कदमताल में सरकार बढ़ती नजर आएगी क्योकि नई स्कूल नीति का निर्माणऔरजनसंख्या के आधार पर स्कूलों की संख्या तय होगी।दूरस्थ क्षेत्रों में नए स्कूल प्रस्तावित होंगे।

अस्थायी रूप से प्राइवेट बिल्डिंग का उपयोगस्कूलों के संचालन में तुरंत सुधार दिखाई देगा।

शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में तेजीआएगी।अनुबंध आधारित और रिटायर्ड शिक्षकों की नियुक्ति से कमी दूर होगी।आधारभूत सुविधाओं में सुधार भी देखा जा रहा है।कक्षाएँ, शौचालय, पेयजल, डिजिटल उपकरणों की व्यवस्था मजबूत होगी।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधारबढ़ेगी।केरल का मॉडल और अधिक मजबूत और आधुनिक बन सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश केवल केरल के लिए नहीं बल्कि पूरी भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह बताता है कि शिक्षा में किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही स्वीकार योग्य नहीं है।

बच्चों का भविष्य देश का भविष्य है, और प्राथमिक शिक्षा वह नींव है जिस पर राष्ट्र निर्माण खड़ा होता है।केरल सरकार से अपेक्षा है कि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षा व्यवस्था को नयी मजबूती देगी और हर बच्चा अपने अधिकार, यानी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, को प्राप्त कर सकेगा।

ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध राजनीति, वोट बैंक और केंद्र-राज्य टकराव का व्यापक विश्लेषण

भारतीय राजनीति में चुनाव सुधार, मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शी प्रक्रिया हमेशा से चर्चा का विषय रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कई विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, जिनमें सबसे मुखर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रही हैं।उन्होंने न केवल एसआईआर को भेदभावपूर्ण और निष्पक्ष न होने वाला तंत्र बताया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ही चुनाव आयोग बन गई है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी।मुझे चुनौती दी तो नींव हिला दूंगी। एसआईआर पर यह राजनीतिक घमासान केवल सुधार या व्यवस्था तक सीमित नहीं है।

कांतिलाल मांडोत

इसके पीछे वोट बैंक, ध्रुवीकरण, संघ-राज्य संबंध और आने वाले चुनावों की रणनीति छिपी है। इसी के समानांतर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी रैलियों के जरिए केंद्र सरकार का विरोध कर रहे हैं।ममता बनर्जी एसआईआर का विरोध क्यों कर रही हैं और विपक्ष की राजनीति का मकसद क्या हैबीजेपी और विपक्ष के बीच बढ़ती खींचतान का प्रभाव क्या पड़ेगा एसआईआर क्या है और विवाद कहां से शुरू होता हैएसआईआर एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें फर्जी वोटरों की पहचान डुप्लीकेट वोटरों को हटानामृत या स्थानांतरित मतदाताओं का रिकॉर्ड अपडेट करनाऔरसीमा क्षेत्रों में सत्यापन जैसे कार्य शामिल हैं।सरकार का दावा है कि इससे मतदाता सूची का शुद्धिकरण होगा,मतदान अधिक पारदर्शी होगा,और चुनावी धोखाधड़ी कम होगी।

लेकिन विपक्ष का आरोप है कि यह सिर्फ विपक्षी राज्यों को निशाना बनाने का तरीका है। इससे गरीब, प्रवासी, अल्पसंख्यक और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों के नाम बड़ी संख्या में हटाए जा सकते हैं। और बीजेपी इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर सकती है।इसी बिंदु पर राजनीति सबसे ज्यादा गर्म हो गई है।ममता बनर्जी का विरोध राजनीतिक और सामाजिक पहलू है।ममता का आरोप है कि बीजेपी चुनाव आयोग बन गई है।

ममता बनर्जी का मानना है किएसआईआर प्रक्रिया केंद्र के दबाव में संचालित होगी।चुनाव आयोग स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पाएगा।और बीजेपी अपनी रणनीति के अनुसार मतदाता सूची को प्रभावित कर सकती है।

उनका यह बयान कि बीजेपी चुनाव आयोग बन गई है। सीधा आरोप है कि चुनाव सुधारों की आड़ में बीजेपी अपने राजनीतिक फायदे के लिए व्यवस्था को मोड़ रही है। लेकिन यह उनकी सोच है।ममता बंग्लादेशी मुद्दा और वोट बैंक राजनीति कर रही है। बंगाल की राजनीति में घुसपैठ और बांग्लादेशी वोटरों का मुद्दा हमेशा संवेदनशील रहा है। बीजेपी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और घुसपैठ रोकने का विषय मानती है, जबकि ममता बनर्जी इसेविपक्ष द्वारा फैलाया गया प्रोपेगेंडा मानती है।और अल्पसंख्यक व सीमावर्ती समुदायों को डराने की रणनीति बताती हैं।

बीजेपी बारङ्बार ममता पर बांग्लादेशियों को संरक्षण देने का आरोप लगाती है। इसलिए एसआईआर जैसी प्रक्रिया सीधे ममता के पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि वह इसे राजनीतिक हमले के तौर पर देखती हैं।ममता का बयान मुझे चुनौती दी तो नींव हिला दूंगीयह बयान बताता है कि ममता एसआईआर के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करने की तैयारी में हैं।उनकी राजनीतिक शैली सदैव आक्रामक और जन-आधारित रही है।

वे यह संदेश देना चाहती हैं कि केंद्र सरकारी प्रक्रियाएँ राज्य पर थोपे या तुष्टीकरण के नाम पर उन्हें निशाना बनाएतो वे पीछे हटने वाली नहीं हैं। कांग्रेस का साथ और विपक्ष का व्यापक विरोध कांग्रेस ने भी एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।उनका विरोध तीन प्रमुख कारणों से है। राजनीतिक धरातल पर गठबंधन की मजबूरीहै औरविपक्ष चाहता है किसभी विरोधी दल एक मंच पर आएं।बीजेपी की अधिनायकवादी राजनीति को चुनौती दी जाएऔर एसआईआर जैसे मुद्दों को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़कर जनता में संदेश दिया जाए।और निकाली जाने वाली रैलियाँ इसी रणनीति का हिस्सा हैं।राज्यों में चुनावी समीकरण का असरआने वाले चुनावों में पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, और कुछ केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर का सीधा असर पड़ सकता है।विपक्ष को डर है कि अगर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम काटे गए,तो उसका नुकसान गैर-बीजेपी दलों को ही ज्यादा होगा।

विपक्ष के लिए यह 'राजनीतिक नैरेटिव' का हथियार मुद्दा सिर्फ एसआईआर का नहीं है।विपक्ष इसे ऐसे प्रस्तुत कर रहा है कि यह जनता के अधिकारों पर हमला है।यह लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है।और केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता खत्म करना चाहती है।इससे विपक्ष को राजनीतिक जमीन मिलती है। केंद्र बनाम राज्य- टकराव और सत्ता संतुलन एसआईआर विवाद को केवल चुनावी प्रक्रिया के संदर्भ में देखने से इसकी गहराई समझ में नहीं आती।असल टकराव है केन्द्र की शक्तियों बनाम राज्यों की स्वायत्तताऔर ममता बनर्जी को लगता है किकेंद्र अपने निर्णय राज्यों पर थोप रहा है। और यह संघीय ढांचे की मूल भावना के खिलाफ है। राजनीतिक ध्रुवीकरण का बढ़नाऔरयह मुद्दा आने वाले महीनों में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम अल्पसंख्यक अधिकारजैसे मुद्दे पर हावी होगा।केंद्र बनाम राज्य जैसे विभाजक विमर्शों को और तीखा करेगा। एसआईआर का प्रशासनिक बोझ बढ़ रहा है।ममता का कहना है कि राज्य में पहले से ही कई परियोजनाएँ चल रही हैं, और एसआईआर का अचानक दबाव वास्तविक कार्य को प्रभावित करेगा।वे तैयार हैं कि 2-3 वर्षों में यह प्रक्रिया धीरे-धीरे लागू हो, लेकिन तत्काल आदेश का विरोध कर रही है भाजपा इसको जरूरी मानती है।बीजेपी और केंद्र सरकार एसआईआर को चुनाव शुद्धिकरण की सबसे बड़ी पहल बता रहे हैं।उनके अनुसार

फर्जी वोटर हटेंगे।खासकर सीमावर्ती राज्यों मेंऔर राजनीतिक लाभ के लिए घुसपैठ का उपयोग करने वाली पार्टियों पर रोक लगेगी। पारदर्शिता बढ़ेगी।मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ेगी। और चुनावी प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष बनेगी।विपक्ष इसलिए विरोध कर रहा क्योंकि उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। बीजेपी का तर्क है कि जो पार्टियाँ फर्जी वोटरों पर निर्भर हैं, वही इसका विरोध कर रही हैं। क्या एसआईआर वास्तव में निष्पक्ष है या राजनीतिक उपकरण यह बहुत बड़ा और जटिल सवाल है।तकनीकी पहलू अगर एसआईआर पारदर्शी, निष्पक्ष और मानक प्रक्रिया के साथ लागू हो तो इससे चुनावी सुधार मजबूत होंगे।फर्जी वोटरों को हटाना किसी भी लोकतंत्र की मजबूरी है।लेकिन भारत जैसे विविध और राजनीतिक रूप से संवेदनशील देश में किसी भी प्रक्रिया का असरवोट बैंक चुनाव और ध्रुवीकरण पर सीधे पड़ता है।इसलिए एसआईआर को पूरी तरह निष्पक्ष या राजनीतिक कहना मुश्किल है।

सच्चाई बीच में है कि सिस्टम आवश्यक है, लेकिन पारदर्शिता और राज्यों की सहमति के बिना इसे लागू करना विवाद पैदा करेगा।आगे की राजनीति का क्या होगा असरबंगाल में राजनीति और गरमाएगी।ममता बनर्जी इस मुद्दे को बंगाल की स्वायत्तता अल्पसंख्यकों के अधिकार और केंद्र के दमनके रूप में पेश करेंगी।बीजेपी इसे घुसपैठ रोकने और फर्जी वोटरों की सफाई के रूप में प्रचारित करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को मुद्दा मिल गया है। सीडब्लूसी और आईएनडीआईए गठबंधन के लिए यह मुद्दा अनुपयोगी ही होगा। केंद्र सरकार पर हमला करने, जनता को मोबिलाईज करने और चुनावी माहौल तैयार करने का हथियार है।चुनाव आयोग की साख पर सवाल खड़ा करना गलत है। सबसे नुकसान चुनाव आयोग को हो रहा है। सत्ताङ्विपक्ष की खींचतान में आयोग की निष्पक्षता सवालों के घेरे में आ रही है।

मनेंद्रगढ़ में पूर्व विधायक का एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन नहीं भराया

नाम रायगढ़ जिले में दर्ज, मुख्य निर्वाचन आयोग से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले की भरतपुर-सोनहत विधानसभा के पूर्व कांग्रेसी विधायक गुलाब कमरो ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत की है।

पूर्व विधायक का आरोप है कि उनका एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन नहीं हो रहा है, और जांच करने पर पता चला कि उनका नाम रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में दर्ज हो गया है।

विधायक कमरो ने बताया कि उन्होंने अपना एसआईआर फॉर्म शुरुआत में ही अपने गांव के ब्लॉक (बूथ लेवल अधिकारी) के पास जमा कर दिया था। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में उनका नाम रायगढ़ जिले में कैसे दर्ज हो गया और रायगढ़ के बीएलओ को उनके तथा उनके माता-पिता के एपिक नंबर कैसे मिले।

उन्होंने इस मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने भी उठाया था मुद्दा: इस मुद्दे पर इंडियन नेशनल कांग्रेस ने भी सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के जगदलपुर प्रवास के दौरान, प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने एक प्रेसवार्ता में इस मामले को उठाया।

उन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब एक पूर्व विधायक का नाम ही उनके अपने क्षेत्र की मतदाता सूची से काटा जा रहा है, तो आम नागरिक की मतदाता सूची में नाम की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

महंत बोले- 3 बार के विधायक को फॉर्म भरने में कठिनाई: चरणदास महंत ने आगे कहा कि यह केवल एक तकनीकी गलती नहीं लगती, बल्कि मतदाता सूची की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्ट्रक्र के नाम पर लोगों के नाम काटे जा रहे हैं और उन्हें बार-बार निर्वाचन कार्यालयों के चक्कर लगाने पर मजबूर किया जा रहा है।

उन्होंने जोर दिया कि जब तीन बार विधायक का चुनाव लड़ चुके जनप्रतिनिधि को ही अपना नाम दर्ज कराने में कठिनाई हो रही है, तो आम मतदाता की स्थिति समझी जा सकती है।

रिंगवाल निर्माण पर गंभीर अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों-जनप्रतिनिधियों ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल; जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ जिले के भरतपुर विकासखंड स्थित मलकडोल में रिंगवाल निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सड़कों के कटाव को रोकने के लिए बनाए जा रहे इस रिंगवाल की गुणवत्ता पर ग्रामवासियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए हैं।

ग्राम पंचायत मलकडोल के सरपंच प्रेमलाल सिंह ने आरोप लगाया है कि ज्वालामुखी माता मंदिर के समीप छिंगरहना पारा में बन रहे रिंगवाल का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 2 और वार्ड क्रमांक 10 के पंच बद्री प्रसाद सिंह ने भी इस काम को घटिया बताया है।

पर्याप्त मात्रा में सीमेंट का उपयोग नहीं: पंचों के मुताबिक, प्रधानमंत्री सड़क के पास हो रहे रिंगवाल निर्माण में पर्याप्त मात्रा में सीमेंट का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही, वाइब्रेटर और मानक सरिया का भी इस्तेमाल नहीं किया गया है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

ग्रामवासियों ने निम्न गुणवत्ता वाले इस निर्माण को तुरंत तुड़वाकर मानक अनुसार दोबारा बनाने की मांग की है। सरपंच प्रेमलाल सिंह ने बताया कि जब उन्होंने कार्य में कमियों को लेकर सवाल उठाया, तो निर्माण स्थल पर मौजूद मैनेजर ने उनसे अभद्रता करते हुए पूछा, 'आप कौन हैं?'

उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग: इस व्यवहार से सरपंच और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से इस निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

कोई भी पात्र परिवार उज्ज्वला योजना से वंचित न रहे : कलेक्टर

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के प्रभावी और लक्ष्यपूर्ण क्रियान्वयन के लिए जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी मोतीलाल अहिरवार सहित राजस्व, आदिम जाति कल्याण, खाद्य, ई-गवर्नेंस, एनआईसी के अधिकारी, ऑयल कंपनियों एवं समस्त गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों उपस्थित रहे।कलेक्टर चौधरी ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के अंतर्गत कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे।

उन्होंने सभी गैस एजेंसियों को सार्वजनिक स्थलों पर बैनर एवं पोस्टर लगवाने तथा नए गैस कनेक्शन हेतु आवश्यक फार्म हिन्दी में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पात्र परिवारों से आवेदन प्राप्त करते समय शासन द्वारा निर्धारित दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक एवं स्वयं का प्रमाणीकरण इत्यादि प्रस्तुत किए जाएं। किसी दस्तावेज की अनुपलब्धता के कारण किसी आवेदक का फार्म या ई-केवाईसी रोका न जाए।

कलेक्टर चौधरी ने कहा कि योजना के तहत सभी पात्र परिवारों की सूची तैयार करने के लिए संबंधित गैस एजेंसियों को अधिकृत किया जाए। ग्राम सचिवों को निर्देशित किया कि वे पात्र हितग्राहियों के भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध कराएं।

योजना 31 मार्च 2026 तक प्रभावशील रहेगी तथा उज्ज्वला 2.0 के शेष पात्र परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिले में वर्तमान में कुल 2,87,663 गैस कनेक्शनधारी हैं। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर जिला आपूर्ति अधिकारी तथा ब्लॉक स्तर पर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को अधिकृत किया गया है ताकि योजना की प्रगति सुचारू रूप से सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में बताया गया कि पात्र परिवार वे होंगे जिनकी परिवार की मासिक आय 10 हजार रुपये से अधिक न हो, वह व्यावसायिक करदाता न हो, आयकर न देता हो, परिवार में कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी न हो, परिवार के पास शासकीय पंजीकृत गैर कृषि उद्यम न हो, परिवार के पास किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 50 हजार से अधिक न हो, सिंचाई के साधन के साथ सिंचित भूमि की धारिता 2.5 एकड़ से अधिक न हो, पांच एकड़ या उससे अधिक सिंचित भूमि हो जिसमें दो या दो से अधिक मौसमी फसलें न लेता हो, एक सिंचाई साधन के साथ 7.5 एकड़ से कम भूमि धारण करता हो, किसी शासकीय योजना के तहत प्राप्त घर को छोड 30 स्क्वायर मीटर से अधिक कारपेट एरिया का घर न हो, परिवार पर 3/4 पहिये का वाहन न हो/ फिशिंग बोट न हो, परिवार के पास मैकेनाइज्ड 3/4 व्हीलर कृषि यंत्र न हों, परिवार में पूर्व से एल.पी.जी. गैस कनेक्शन नहीं है, वे आवेदन कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत अपूर्ण आवासों पर 7 दिवस में कार्य पूर्ण न करने पर होगी राजस्व वसूली एवं समर्पण की कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक के अंतर्गत नगर पालिका परिषद शिवपुरी द्वारा पात्र हितग्राहियों को कुल 2.50 लाख रुपए की राशि विभिन्न किश्तों में प्रदान की जाती है। योजना के तहत प्रथम किस्त भूमि की जियो टैगिंग उपरांत जारी की जाती है, जिसके पश्चात हितग्राही अपने आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ करते हैं। निर्माण की प्रगति के अनुसार आगामी किश्तें जियो टैग कर जारी की जाती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवपुरी ने बताया कि प्रथम एवं द्वितीय किश्त प्राप्त करने वाले कुल 182 हितग्राहियों द्वारा अब तक आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। वरिष्ठ कार्यालय की समीक्षा बैठक में इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई तथा निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य पूर्ण न करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध राजस्व वसूली एवं आवास समर्पण की कार्यवाही प्रस्तावित की जाए।

उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा सभी 182 हितग्राहियों को समय-समय पर फील्ड इंजीनियरों के माध्यम से निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए सूचित किया गया है। अब अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सात दिवस की अवधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इस अवधि में कार्य पूर्ण न करने की स्थिति में संबंधित आवासों का समर्पण कर राजस्व वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिसके लिए संबंधित हितग्राही स्वयं उत्तरदायी होंगे तथा किसी प्रकार का दावा या आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी। संबंधित हितग्राहियों की सूची नगर पालिका कार्यालय (गांधी पार्क) के सूचना पटल पर प्रदर्शित कर दी गई है।

आईएएस के खिलाफ प्रदर्शन, ब्राह्मण समाज ने फूंका पुतला; एफआईआर की मांग

अनूपपुर। कोतमा में आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के विवादित बयान के विरोध में ब्राह्मण समाज ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने गांधी चौक पर संतोष वर्मा का पुतला फूंका और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। ब्राह्मण समाज के सदस्य ठाकुर बाबा धाम में एकत्रित हुए।

यहां से उन्होंने नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए एक रैली निकाली। हृदय स्थल गांधी चौक पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने संतोष वर्मा के पुतले पर कालिख पोती, जूते बरसाए और फिर पुतला दहन किया। प्रदर्शन के बाद समाज के लोग थाने पहुंचे और निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल को एक ज्ञापन सौंपा।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025- 26 कार्य में लापरवाही बरतने पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विशेष गहन पुनरीक्षण-2025-26 के तहत निर्वाचन कार्यों को सुचारू और गंभीरता से सम्पन्न कराने हेतु जारी निर्देशों के बावजूद बूथ लेवल ऑफिसर एवं वालंटियर्स के दायित्व निर्वहन में लापरवाही सामने आने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक मतदाता को का वितरण, प्राप्त फॉर्म का सत्यापन तथा अपलोडिंग एवं डिजिटाइजेशन जैसे महत्वपूर्ण कार्य 4 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरे किए जाने हैं। लेकिन विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत के मतदान केन्द्र क्रमांक 277 चैनपुर-2 के लिए नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राधा दूबे (बीएलओ) एवं व्याख्याता श्रीमती मधु जैन (वालंटियर्स) द्वारा इन कार्यों में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती गई।

तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि गणना पत्रक के वितरण एवं मतदाताओं से प्राप्त फॉर्म की ऑनलाइन प्रविष्टि में शिथिलता बरती जा रही है, जिससे विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। निर्वाचन जैसे अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही को गंभीर सेवा दोष मानते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 (अनुबंध 1.2) के प्रावधानों के तहत दोनों कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

जारी नोटिस में दोनों से 24 घंटे के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समयावधि में उत्तर प्रस्तुत न करने अथवा उत्तर असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अनूपपुर थाने में मैरिज गार्डन संचालकों की हुई बैठक, पुलिस अधीक्षक बोले- विवाह समारोहों में अव्यवस्थित पार्किंग पर होगी कार्रवाई; शोर-शराबे न करें

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर के थाना कोतवाली में शुक्रवार दोपहर मैरिज गार्डन और होटल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। टीआई कोतवाली अरविंद जैन ने यह बैठक बुलाई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य विवाह समारोहों के दौरान यातायात को सुचारू बनाए रखना था। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशों के तहत यह बैठक हुई। उन्होंने बताया कि विवाह समारोहों में सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग और बारात के कारण अक्सर यातायात जाम हो जाता है, जिससे आम लोगों को असुविधा होती है। इस समस्या के समाधान के लिए मैरिज गार्डन संचालकों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे विवाह समारोह के दौरान कार्यक्रम स्थल के सामने कम से कम दो कर्मचारी या निजी सुरक्षा गार्ड नियुक्त करें। इन कर्मचारियों का कार्य समारोह में आने वाले वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करना होगा, ताकि सड़कों पर आम जनता को कोई असुविधा न हो।

यदि कार्यक्रम स्थल पर वाहनों की गलत पार्किंग या यातायात जाम की स्थिति बनती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी मैरिज गार्डन संचालक की होगी। इसके अलावा, बारात लगने का समय रात 10 बजे से पहले निर्धारित करने को कहा गया है। यह समय नगर में वाहनों की नो-एंट्री समाप्त होने से पूर्व का है, जिससे किसी भी घटना, दुर्घटना या यातायात जाम से बचा जा सके।

बैठक में मैरिज गार्डन और होटल परिसर में विवाह आयोजन के दौरान रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग बंद करने के भी निर्देश दिए गए। संचालकों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वे बुकिंग करते समय आयोजक से लिखित में यह सहमति लें कि वे रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नहीं करेंगे और उच्च न्यायालय के निर्देशों का कड़ाई से पालन करेंगे। इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले विवाह समारोह आयोजकों या साउंड सर्विस प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि रात 10 बजे के बाद डीजे बजाकर शोर-शराबा किया जाता है, तो मध्यप्रदेश कोलाहल अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चंवारीडांड में एमएसएमई संवेदनशीलता कार्यक्रम का हुआ संपन्न, जिले में उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन को मिली नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के विकास और प्रोत्साहन के उद्देश्य से आज सोनहा बिहान आजीविका संकुल संगठन चंवारीडांड में जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यक्रम का भव्य और सफल आयोजन किया गया। रैम्प योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य उद्यमियों, नवाचार कर्ताओं, महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह द एसजीएच) सदस्यों, कारीगरों और स्टार्टअप इकाइयों को सरकारी योजनाओं, तकनीकी उन्नयन, बाज़ार विस्तार, डिजिटल मार्केटिंग और वित्तीय सहायता के अवसरों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनआरएलएम बिहान द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है और रैम्प योजना उद्यमियों को क्षमता निर्माण, तकनीकी सुधार, बाज़ार प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम के दौरान एमएसएमई की परिभाषा, पंजीकरण प्रक्रिया, राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं, व्यवसाय प्रबंधन, जोखिम नियंत्रण, वित्तीय सुलभता और उद्यमिता विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही डिजिटल सक्षमता, ई-कॉमर्स के उपयोग, ऑनलाइन बिक्री एवं मार्केटिंग प्लेटफॉर्म, ब्रांडिंग और उत्पाद प्रचार की संपूर्ण जानकारी दी गई, जिससे स्थानीय एवं ग्रामीण उद्यमी राष्ट्रीय और वैश्विक बाज़ार में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा सकें। महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और पारंपरिक कारीगरों के लिए उपलब्ध विशेष सहायता, प्रोत्साहन एवं अवसरों पर भी विशिष्ट रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों द्वारा इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उद्यम और उद्योग से जुड़े प्रश्न पूछकर अपने संदेह दूर किए। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 90 से अधिक उद्यमियों एवं इच्छुक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यंत सफल और जनउपयोगी बनाया। प्रतिभागियों ने इसे ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और व्यावसायिक प्रगति में सहायक बताया। आयोजन में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अंत में द्वारा सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों और अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यशाला का समापन किया गया, जो जिले में एमएसएमई क्षेत्र की मजबूती, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हुआ।

मतदाता सूची अद्यतन करने ग्रामीण इलाकों में सक्रिय हुए बीएलओ, तेजी से जुटाए जा रहे गणना पत्रक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्रामीण इलाकों में बूथ स्तर अधिकारी घर-घर जाकर मतदाता गणना पत्रक एकत्रित कर रहे हैं और मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ तहसील के ग्राम लालपुर में बीएलओ सुधा सिंह ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीण इंद्रावती और सुशीला के गणना पत्रक एकत्र किए।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन कर रहे हैं, जिसमें मौजूदा सूचनाओं का मिलान, नए मतदाताओं का पंजीकरण, त्रुटियों का सुधार और आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रक्रिया के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना शामिल है।

सर्वे के दौरान ग्रामीणों को फार्म 6, 7 और 8 भरने की प्रक्रिया समझाई गई ताकि पात्र युवा अपना नाम समय पर मतदाता सूची में जुड़वा सकें तथा आवश्यक संशोधन भी आसानी से हो सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहा यह अभियान आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह प्रयास सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सशक्त रूप से भाग ले सके।

क्योटी- विंध्य का उभरता पर्यटन हब, यूपी-बिहार के सैलानियों की पहली पसंद

सैकड़ों साल पुराना मकर संक्रांति मेला बनता है मुख्य आकर्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य की गोद में बसा क्योटी आज सिर्फ एक जलप्रपात नहीं, बल्कि प्रकृति, इतिहास, अध्यात्म और रोमांच का संगम बनकर नई पहचान गढ़ रहा है। रीवा राजघराने की धरोहर, महाना नदी की अविरल धारा, भैरव बाबा का आस्था-केन्द्र और सदियों पुराना मकर संक्रांति का मेला—ये सब मिलकर क्योटी को मध्य भारत का उभरता हुआ टूरिज़्म हब बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल ड्रोन शॉट्स और व्लॉग्स ने इसे युवाओं के बीच अचानक सुर्खियों में ला दिया है।

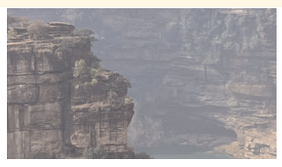

यूपी-बिहार के पर्यटकों की पसंद बनता क्योटी: क्योटी का भौगोलिक लाभ आज पर्यटन वृद्धि का प्रमुख कारण बन गया है। प्रयागराज से महज 80 किलोमीटर, बनारस से करीब 150 किलोमीटर और अयोध्या-लखनऊ से भी सीधा सुगम मार्ग होने के कारण यह स्थान उत्तर प्रदेश के पर्यटकों के लिए सबसे नजदीकी हिल-वॉटरफॉल डेस्टिनेशन है। वीकेंड पर प्रयागराज, बनारस, अयोध्या और लखनऊ से आने वाले सैलानियों की संख्या दोगुनी तक पहुंच जाती है। झरना, घाटियां और घने जंगलों का लैंडस्केप क्क के पर्यटकों को नया अनुभव देता है।

दो जलप्रपातों का अनोखा संगम: क्योटी में दो जलप्रपात हैं, जिनमें से एक हमेशा प्रवाहित रहता है। महाना नदी की मुख्यधारा बारहों महीने 70-100 फीट की ऊंचाई से जलप्रपात में गिरती है। किंवदंती के अनुसार एक रात दोनों जलप्रपातों के बीच 'धारा का अधिकार' को लेकर हुए कल्पित विवाद में नदी ने अपना मार्ग बदल लिया और आज की मुख्यधारा वाले जलप्रपात में समाहित हो गई। स्थानीय लोग इसे चमत्कारी मान्यता के रूप में बताते हैं।

रीवा रियासत का किला-रणनीति का ऐतिहासिक केन्द्र: क्योटी स्थित प्राचीन किला रीवा रियासत के बघेल राजवंश की गौरवशाली रणनीतिक धरोहर रहा है। 17वीं-18वीं सदी में निर्मित यह किला उस समय सैनिक शिविर और सीमा चौकी के रूप में उपयोग होता था। इतिहासकार आशीष तिवारी निर्मल के अनुसार किले में गोपनीय सुरंग, सुरक्षा दीवारें और विशेष निर्माण तकनीक आज भी दिखाई देती है। एक सुरंग जलप्रपात की गहराई तक पहुंचने वाले गुप्त रास्ते का रूप लिए है, जो इसकी ऐतिहासिक रहस्यमयता को बढ़ाती है।

अमुल्ला खुर्द चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

3.50 लाख के जेवर और नकदी बरामद; पुलिस ने बाइक भी जत की

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के अमुल्ला खुर्द में 22 नवंबर को हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। खकनार थाना पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 4 लाख रुपये का चोरी का माल बरामद किया गया है, जिसमें सोने-चांदी के जेवर, नकदी और एक बाइक शामिल है। यह वारदात 22 नवंबर को ग्राम अमुल्ला खुर्द में सुनीता बाई पति दरबार के घर हुई थी। अज्ञात बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे करीब 3.50 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ली थी। पुलिस ने शिकायत के बाद संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर आरोपी जमील पित तैयब खान निवासी केरपानी को केरपानी दसघाट रोड से पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के पास से एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने की कान की झुमकी, एक सोने की पांचाली, एक सोने की चेन, एक चांदी की चेन, एक चांदी का कमरबंद, दो जोड़ी चांदी की पायजेब, एक जोड़ी चांदी के बाजू के कड़े, 3000 रुपए नकद और एक बाइक बरामद की है। बरामद माल की कुल कीमत लगभग 4 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है।

छतरपुर में शराब के नशे में खाया जहरीला पदार्थ

42 वर्षीय व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत, पुलिस जांच में जुटी

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 42 वर्षीय व्यक्ति की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, टौरिया मोहल्ले का निवासी बाबू अहिरवार (42) गुरुवार सुबह शराब के नशे में जहरीला पदार्थ खा बैठा। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया।

इलाज के दौरान मौत: शाम को बाबू की तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम किया गया। बाबू अहिरवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के महोबा का रहने वाला था। वह बचपन से ही छतरपुर के टौरिया मोहल्ले में अपने जीजा बृजेश के घर रह रहा था। वह मजदूरी का काम करता था और शराब पीने का आदी था। बाबू के जीजा बृजेश ने बताया कि उसके माता-पिता गांव में रहते हैं और परिवार में वह अकेला था। बृजेश ने बताया कि शराब पीने के बाद बाबू ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया, जिसके बाद उसे उल्टियां होने और सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। सिटी कोतवाली पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

युवक की मौत, परिजन ने मारपीट का आरोप लगाया

देवास पुलिस को बेहोशी की हालत में मिला था

देवास एजेंसी। देवास में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक 25 अक्टूबर को घर से निकला था और अगले दिन पुलिस को प्रताप नगर में बेहोश मिला। परिवार का कहना है कि उसके साथ मारपीट की गई हो सकती है। सिविल लाइन पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी पहचान सौरभ उर्फ विक्की (25) पिता हनुमान प्रसाद मिश्रा, निवासी कवि कालिदास मार्ग, पुराना बस स्टैंड के रूप में हुई। 26 अक्टूबर की सुबह परिजनों को सौरभ एमजी अस्पताल में मिला। उनका कहना है कि उसके शरीर पर चोट के निशान थे। जिला अस्पताल से परिजन उसे बांगर के अमलतास अस्पताल ले गए, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे फिर एमजी अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। सौरभ अविवाहित था और बैंकों से कमीशन पर लोन दिलाने का काम करता था। उसके भाई ने मारपीट की आशंका जताई है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहडोल में मिला युवक का शव

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखा, पुलिस बोली- ठंड से मौत की आशंका

शहडोल, एजेंसी। शहडोल पाली रोड स्थित न्यायालय गेट के सामने शुक्रवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू की। पुलिस ने मृतक की पहचान दीनदयाल बैगा (30) पुत्र मुन्ने लाल के रूप में की है। वह उमरिया जिले के पाली थाना क्षेत्र के भीमा डोंगरी का निवासी था। पुलिस के अनुसार, युवक टी-शर्ट और पैंट पहने हुए था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि युवक गुरुवार शाम को न्यायालय गेट के सामने नशे की हालत में बैठा था। मृतक के भाई ने भी मौके पर पहुंचकर पुष्टि की कि दीनदयाल शराब का आदी था और गुरुवार दोपहर घर से निकला था, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटा। परिवार ने सुबह उसकी तलाश शुरू की थी।

शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि शराब के नशे में युवक सड़क किनारे सो गया होगा और ठंड लगने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले में मर्ग कायम कर आगे की विवेचना की जा रही है।

वायडी नगर पुलिस ने 3 नाबालिग बालिकाएं बरामद कीं

ऑपरेशन मुस्कान के तहत परिजनों को सकुशल सौंपा

मंदसौर, एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत मंदसौर की वायडी नगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित ढूंढकर उनके परिवारों को सौंप दिया। एसपी विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में जिलेभर में अभियान तेज किया गया था। इसी क्रम में एडिशनल एसपी टी.एस. बघेल, सीएसपी जितेंद्र सिंह भास्कर और वायडी नगर थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय द्वारा लगातार तलाश की जा रही थी।

तीनों बालिकाओं की गायब होने की घटना: ये तीनों बालिकाएं अलग-अलग तारीखों में लापता हुई थीं। पहला मामला 10 मई 2024 का है, जिसमें मनोज जेरिया ने बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी और थाना वायडी नगर में धारा 363 के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। दूसरा मामला 24 नवंबर 2025 का है, जिसमें नवीन कुरील ने बेटी के लापता होने की शिकायत की, जिस पर धारा 137(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। तीसरी शिकायत भी 24 नवंबर 2025 को सुनीता पढियार द्वारा दर्ज कराई गई, जिसमें नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज हुई और इस मामले में भी धारा 137(2) बीएनएस लागू की गई।

खोजबीन के लिए विशेष टीम गठित की गई थी: थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने उप निरीक्षक विनय बुंदेला और कपिल सौराष्ट्रीय की एक विशेष टीम गठित की। टीम ने विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश दी, मुखबिरों से जानकारी जुटाई और सायबर सेल की तकनीकी सहायता ली। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने तीनों बालिकाओं को सकुशल बरामद कर उनके माता-पिता के हवाले कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई की जिले में सराहना की जा रही है।

खंडवा में रेलवे पुल से छलांग लगाने लगा युवक

टीआई ने भरोसा दिलाकर रोका

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक युवक रेलवे पुल से छलांग लगाने लगा। लोग उसे रोकते रहे, लेकिन वह पुल की रेलिंग फांदकर गर्डर तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शी अधिवक्ता चिराग मिश्रा ने बताया कि वे कोर्ट की तरफ जा रहे थे। तभी उन्होंने युवक को पुल पर जाली फांदते देखा। उन्होंने तुरंत सूचना कोतवाली टीआई अशोक सिंह चौहान को दी।

टीआई ने बातकर युवक को रोका: टीआई अशोक सिंह चौहान उसी दौरान सिविल लाइन की तरफ जा रहे थे। उन्होंने गाड़ी रोककर पुल पर लटक रहे युवक से बात की और मदद का भरोसा दिलाया। युवक जान देने की बात करता रहा, लेकिन टीआई की फटकार पर वह बाहर आया।

पुलिस थाने में आधे घंटे से रो रहा: युवक को पुलिस थाने ले जाया गया, जहां वह पिछले आधे घंटे से रो रहा है।

मां को लाड़ली-बहना पैसा दिलाने गए बेटे की मौत

बैंक से लौटते समय हुआ हादसा, महिला सहित चार घायल

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट में एक सड़क दुर्घटना में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। मृतक युवक को गुरुवार देर रात जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह दुर्घटना मलाजखंड थाना क्षेत्र के नेवरगांव निवासी प्रकाश पिता तीरथसिंह उईके के साथ हुई। प्रकाश अपनी मां के साथ बैंक से लाडली बहना योजना की राशि निकालकर घर लौट रहा था। इसी दौरान करू गांव के पास उसकी मोटरसाइकिल की एक अन्य मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में प्रकाश उईके के अलावा दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार धीरी मोहरई निवासी कुंवरसिंह मरकाम (55), उनकी पत्नी मोतीनबाई (45) और उनके नाती चंद्रभान (15) व युवराज (9) वर्ष भी घायल हो गए। सभी घायलों को पहले बिरसा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने प्रकाश उईके को मृत घोषित कर दिया। घायल कुंवरसिंह, मोतीनबाई और चंद्रभान का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। वहीं, बालक युवराज की हालत गंभीर होने के कारण परिजन उसे गोंदिया ले गए हैं। कुंवरसिंह अपने परिवार के साथ एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। गुरुवार रात प्रकाश उईके की मौत के बाद शुक्रवार को अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद किया। पंचनामा कार्रवाई के उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। अस्पताल चौकी

पुलिस ने बताया कि रात में युवक की मौत के बाद शव को सुरक्षित फ्रीजर में रखवा दिया गया था। शुक्रवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंपा गया। मामले की आगे की जांच संबंधित थाना पुलिस द्वारा की जाएगी।

थांदला के बेडवा गांव में दुकान-घर में लगी आग

पेट्रोल से आग फैलने की आशंका, 45 मिनट देरी से पहुंची फायर ब्रिग्रेड

झाबुआ, एजेंसी। थांदला से लगभग 12 किलोमीटर दूर बेडवा गांव के मुख्य बाजार में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे आग लगने की घटना सामने आई। यह आग बाबू देवदा की मैकेनिक की दुकान और उनके घर में लगी। आग लगने का सही कारण अभी तक अज्ञात है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुकान में पेट्रोल भी बेचा जाता था, जिससे आग तेजी से फैली। घटना की सूचना मिलने के बावजूद, थांदला नगर परिषद की फायर ब्रिगेड लगभग 45 मिनट की देरी से मौके पर पहुंची। नागरिकों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड आग बुझाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई। बताया गया है कि फायर ब्रिगेड के पाइप और वॉल फटे हुए थे, जिसके कारण पानी का अपेक्षित दबाव घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रहा था। थांदला के सीएमओ कमलेश जायसवाल ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि फायर ब्रिगेड को मरम्मत की आवश्यकता है और इसे जल्द ही ठीक करा लिया जाएगा। प्रशासन की इस स्थिति को देखते हुए, मौके पर मौजूद नागरिकों और ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा थी जो आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही थी।

जिस दुकान में आग लगी, उसके पास ही गायत्री पब्लिक स्कूल संचालित होता है। घटना के समय विद्यार्थी भी स्कूल पहुंच चुके थे। आगजनी की सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को परिसर से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने अपने प्रयासों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। स्थानीय प्रशासन की प्रतिक्रिया को लेकर लोगों में असंतोष देखा गया।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी; मौत

हरदा में सास के अंतिम संस्कार में नेमावर जा रहा था

हरदा, एजेंसी। हरदा में खंडवा-नर्मदापुरम स्टेट हाईवे पर शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मृतक की पहचान खंडवा जिले के किल्लोद थाना क्षेत्र के ग्राम हरिपुरा सेमरूढ़ निवासी राजकुमार पिता हृदय सिंह देवड़ा (28 वर्ष) के रूप में हुई है। राहगीरों की मदद से उन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया गया है कि राजकुमार अपनी सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए नेमावर जा रहे थे। उनकी सास का गुरुवार को ग्राम कोलवा में निधन हो गया था, और उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए नेमावर के नर्मदा घाट ले जाया गया था। मृतक के दो छोटे बेटे हैं, जिनकी उम्र ढाई साल और पांच साल है। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन अंतिम संस्कार के बाद जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को फिलहाल मर्चुरी में रखा गया है।

सागर में 15 दिन से सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग बंद

ऑटो में महिला का पर्स चोरी, कंट्रोल रूम पहुंची तो फुटेज ही नहीं मिला

सागर, एजेंसी। सागर शहर में लगे स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग बंद है। इसका खुलासा तब हुआ जब एक महिला का पर्स ऑटो में चोरी हो गया। महिला जब फुटेज देखने कंट्रोल रूम पहुंची, तो पता चला कि कैमरे तो चालू हैं, लेकिन सर्वर खराब होने से रिकॉर्डिंग नहीं हो रही। गोपालगंज थाने में दी गई शिकायत में पीड़ित महिला ने बताया कि वह अपनी मां के साथ मॉल से खरीदारी कर लौट रही थी। रास्ते में एक ग्रामीण परिवेश की महिला, साथ में 9-10 साल की बच्ची को लिए उसी ऑटो में बैठी पहले उसने पीली कोठी उतरने कहा, फिर पीटीसी ग्राउंड और उसके बाद झंडा चौक स्थित देवी मंदिर के पास उतर गई। महिला का आरोप है कि संदिग्ध महिला ऑटो में सीट बदलकर उसकी मां के बिल्कुल पास बैठ गई, जबकि उसने दूसरी तरफ से आकर बैठने की कोशिश की थी। इसी दौरान उसकी मां का पर्स चोरी हो गया।

कंट्रोल रूम पहुंचे तो पता चला रिकॉर्डिंग बंद: चोरी का पता चलने के बाद महिलाएं फुटेज देखने स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम और स्मार्ट सिटी ऑफिस पहुंचीं। दोनों जगह कर्मचारियों ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग बंद है और 15 दिन से कोई वीडियो सेव नहीं हुआ है।

सर्वर में दिक्कत की बात सामने आई:

स्मार्ट सिटी कंट्रोल कमांड सेंटर के प्रभारी अनिल शर्मा ने कहा कि कैमरे चालू हैं, लेकिन सर्वर में समस्या आने के कारण रिकॉर्डिंग नहीं हो रही। सुधार कार्य जारी है। इस मामले ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और स्मार्ट सिटी परियोजना की वास्तविक स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैमरों के सहारे अपराधियों की पहचान और ट्रैफिक उल्लंघन की निगरानी की उम्मीद की जाती है, लेकिन रिकॉर्डिंग बंद होने से पूरा सिस्टम प्रभावित है।

एमएस धोनी के घर पहुंचे विराट कोहली और ऋषभ पंतःमाही और उनके परिवार के साथ डिनर किया

रांची, एजेंसी। रांची के ध्रुवा के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले वनडे मुकाबले के लिए भारत.दक्षिण अफ्रीका टीम के सभी खिलाड़ी रांची पहुंच गए हैं। रात करीब 8रू45 बजे विराट कोहली और ऋषभ पंत दलादली स्थित पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के घर पहुंचे। दोनों खिलाड़ी अलग.अलग कार में थे। जैसे ही दोनों खिलाड़ियों की गाड़ियां धोनी के घर के बाहर पहुंचीए वहां मौजूद प्रशंसक क्रिकेटर्स की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। विराट और पंत करीब 2 घंटे धोनी के घर पर रहे। धोनी और उनके परिवार के साथ डिनर किया। बाद में धोनी को कोहली को उनके घर से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान एमएम धोनी खुद गाड़ी ड्राइव कर रहे थे।

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय विमेंस ब्लाइंड टीम मोदी से मिलीः साइन किया हुआ बैट गिफ्ट कियाय च्ड ने लड्डू खिलाकर स्वागत किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय विमेंस ब्लाइंड टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। टीम ट्रॉफी लेकर नई दिल्ली स्थित च्ड आवास पहुंची। सभी प्लेयर्स ने मिलकर पीएम को साइन किया हुआ बैट गिफ्ट किया। भारत ने पहली बार खेले गए ब्लाइंड विमेंस टी.20 वर्ल्ड कप का खिताब 23 नवंबर को जीता था। टीम ने कोलंबो में खेले गए फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया था।

9 राज्यों से खिलाड़ी चुनकर टीम बनाई : भारत की कप्तानी कर्नाटक की दीपिका टीसी ने की। टीम में देश के 9 अलग.अलग राज्यों से 16 प्लेयर्स को चुना गया। इनमें कर्नाटकए महाराष्ट्रए राजस्थानए मध्य प्रदेशए आंध्र प्रदेशए ओडिशाए दिल्लीए असम और बिहार की प्लेयर्स शामिल रहीं। खिलाड़ियों को क्रिकेट के बारे में स्कूल शिक्षकोंए छळ्व्ए और कम्युनिटी कैम्पस में बताया गया था।

बाबर टी20 में सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में शामिल

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट के पूर्व कप्तान बाबर आजम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड जुड़ गया है। बाबर श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के 8वें मुकाबले में खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इससे वह पाक की ओर से टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। बाबर अपने करियर में 10वीं बार शून्य पर ही आउट हो गये। इससे पहले पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब और उमर अकमल भी टी20 क्रिकेट में 10 बार 0 पर आउट हुए हैं। बाबर पिछली 9 टी20 पारियों में 4 बार खाता नहीं खोल पाये थे। वहीं शाहिद अफरीदी 8 बार शून्य पर आउट हुए थे। वहीं होने रिकॉर्ड तोड़ा है।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ: दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर के सह.मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग ;डब्ल्यूपीएलद्ध 2026 नीलामी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक संतुलित और दमदार टीम का गठन किया। फ्रैंचाइज़ी ने अपनी रणनीतिक तैयारी और सटीक योजनाओं के चलते कई अहम खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया।

भारतीय कोर और मजबूत हुआ: शैफाली वर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स को रिटेन करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने भारतीय कोर को और मजबूत किया। टीम ने एनए श्री चरणी और स्नेह राणा को खरीदकर भारत की हालिया वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार खिलाड़ी अपने स्क्वॉड में शामिल किए। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वूल्वार्ट को फ्रैंचाइज़ी ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। वूल्वार्ट हालिया वनडे वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहींक्9 मैचों में 571 रन।

चिनेल हेनरी और श्री चरणी पर बड़ी बोली : वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को 1.3 करोड़ रुपये में टीम ने अपने साथ जोड़ा। हेनरी अपनी आक्रामक बल्लेबाजीए फिनिशिंग क्षमता और संयुक्त सबसे तेज अर्धशतक के कारण एक खतरनाक खिलाड़ी मानी जाती हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सीजन में डेब्यू करने वाली एनए श्री चरणी को जोरदार बोली के बाद 1ण्3 करोड़ रुपये में फिर से हासिल किया। वह वर्ल्ड कप में भारत की सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल रहींए जिन्होंने 14 विकेट लिए। स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में शामिल किया गया। उन्होंने भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण ऑलराउंड प्रदर्शन दिया था।

अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन: टीम ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ओपनर लिज़ेल ली को 30 लाख में खरीदा। हरियाणा की 16 वर्षीय युवा प्रतिभा दिया यादव को उनके बेस प्राइस 10 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया। इसके अलावाए तानिया भाटिया ;30 लाख, और मिन्नू मणि ;40 लाख, को भी दुबारा खरीदा गया। दोनों खिलाड़ी टीम के पहले सीजन से ही इसका हिस्सा रही हैं। फ्रैंचाइज़ी ने युवा खिलाड़ियों ममता मडिवाला ;10 लाख, नंदनी शर्मा ;20 लाख, और लूसी हैमिल्टन ;10 लाख, को भी टीम में जोड़ा।

कोच जोनाथन बैटी ने कहाए : श्हम जो करना चाहते थेए उसे हमने बखूबी हासिल किया है। पांच मजबूत रिटेन के बाद हमने टीम को उसी आधार पर बनाया। हमारा शुरुआती ग्प् बेहद मजबूत दिख रहा है। खासकर भारतीय स्पिनर्स को टीम में शामिल कर पाना हमारे लिए बड़ा सकारात्मक कदम हैएश् बैटी ने कहा। उन्होंने आगे कहाए श्मेग को गंवाना मुश्किल निर्णय था। हमने नीलामी में उन्हें वापस लेने की पूरी कोशिश कीए लेकिन हमारे पास कई मजबूत नेतृत्व विकल्प मौजूद हैं।

सह.मालिक पार्थ जिंदल ने कहाए: श्हम मेग के लिए जितना जा सकते थेए गएए लेकिन लौरा वूल्वार्ट को पाकर हम बेहद खुश हैं। वो शानदार लीडर हैं और हालिया वर्ल्ड कप की टॉप स्कोरर भी रहीं। श्री चरणीए स्नेह राणा और चिनेल हेनरी के आने से टीम संतुलित हुई है। उन्होंने आगे कहाएश्हम तीन फाइनल खेल चुके हैंकृअब हमें एक कदम आगे बढ़ना है। हमारी स्काउटिंग टीम बेहतरीन खिलाड़ियों को खोजकर लाती रही हैए और इस बार भी हमने कई भविष्य के सितारों को टीम में जोड़ा है। डब्ल्यूपीएल 2026रू दिल्ली कैपिटल्स का पूरा स्क्वॉड शैफाली वर्मा - बल्लेबाज -2.20 करोड़ जेमिमा रॉड्रिग्स - बल्लेबाज -2.20 करोड़ एनेबल सदरलैंड - ऑलराउंडर ृ 2.20 करोड़ मरिज़ान कैप - ऑलराउंडर -2.20 करोड़ निकी प्रसाद - ऑलराउंडर ृ 50 लाख लौरा वूल्वार्ट - बल्लेबाज -1.10 करोड़चिनेल हेनरी - ऑलराउंडर -1.30 करोड़ एनए श्री चरणी - ऑलराउंडर -1.30 करोड़ स्नेह राणा - ऑलराउंडर - 50 लाख लिज़ेल ली - विकेटकीपर.बल्लेबाज - 30 लाख दिया यादव - बल्लेबाज -10 लाख तानिया भाटिया - विकेटकीपर.बल्लेबाज -30 लाख ममता मडिवाला-विकेटकीपर.बल्लेबाज-10 लाख नंदनी शर्मा -गेंदबाज -20 लाख लूसी हैमिल्टन- गेंदबाज -10 लाख मिन्नू मणि - गेंदबाज -40 लाख

भारतीय महिला बॉक्सिंग टीम के हेड कोच बने सैंटियागो नीवा

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ;बीएफआईद्ध ने सैंटियागो नीवा को महिला नेशनल बॉक्सिंग टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारत के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। भारत के साथ नीवा के पिछले कार्यकाल ने देश के हाई.परफॉर्मेंस स्ट्रक्चर पर गहरी छाप छोड़ी है। ऐसे में स्वीडिश टैक्टिशियन टीम को और बेहतर बनाने के मकसद से भारतीय खेमे में वापस आ रहे हैं। नीवा के मार्गदर्शन में भारतीय बॉक्सिंग ने 2019 मेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीतेए जिसमें अमित पंघाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया थाए जबकि मनीष कौशिक ने देश को ब्रॉन्ज जिताया। इसके बाद भारत ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में अब तक की सबसे बड़ी ओलंपिक बॉक्सिंग टीम उतारीए जहां लवलीना बोरगोहेन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

लॉस एंजिल्स 2028 के मद्देनजर नीवा सभी वेट कैटेगरी में भारतीय महिला खिलाड़ियों को मेडल की दावेदार बनाने पर काम करेंगे। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा एलीट इंटरनेशनल कोचिंग अनुभव हैए उन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग में कुछ सबसे असरदार हाई.परफॉर्मेंस रोल निभाए हैं। नेशनल महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल्डए एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते।

इस मौके पर नीवा ने कहाए ष्मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के 5 साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ा मुकाम हासिल करेंगे। मुझे पहले भी महिला बॉक्सर्स के साथ काफी सफलता मिली है। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। 2028 एलए ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे।ष्एशिया कप टीम ने जीता था जबकि वास्तविकता ये है कि इस टीम को रोहितए द्रविड़ ने तैयार किया था और उससे पहले कोहली ने। अगर गंभीर उन दो टूर्नामेंट में भारत के कोच नहीं भी रहे होते तब भी टीम जीतती ही क्योंकि वो टीम पहले से बनी हुई थी। नीवा की नियुक्ति पर बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ;बीएफआईद्ध अध्यक्ष अजय सिंह ने कहाए ष्सैंटियागो की नियुक्ति हमारे विमेंस प्रोग्राम के लिए एक जरूरी कदम है। वह टेक्निकल एक्सीलेंस और अंतरराष्ट्रीय समझ का मिश्रण लेकर आए हैंए जिससे भारत के प्रदर्शन में निखार आएगा।

उन्होंने कहाए ष्हमारे एथलीट्स ने दिखाया है कि वे दुनिया के सबसे मुश्किल प्लेटफॉर्म पर भी आगे बढ़ सकते हैं। सैंटियागो के मार्गदर्शन से हमें दुनिया के सबसे बड़े मंच पर भारत की मौजूदगी और महत्वाकांक्षा को मजबूत करने का भरोसा है।

पुरुष अंडर.19 एशिया के लिए भारतीय टीम घोषित, आयुष म्हात्रे को मिली टीम की कमान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड; बीसीसीआईद्ध ने पुरुष अंडर.19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट दुबई में 12.21 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। आयुष म्हात्रे को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है। पुरुष अंडर.19 एशिया कप में भारत को ग्रुप ए में रखा गया है। टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान को भी इस ग्रुप में शामिल किया गया हैए जबकि दो अन्य टीमें क्वालीफायर के जरिए इस ग्रुप में अपनी जगह बनाएंगी। ग्रुप बी में बांग्लादेशए श्रीलंकाए अफगानिस्तान के साथ क्वालीफाई करने वाली एक अन्य टीम भी शामिल होगी। अंडर.19 एशिया कप में 8 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। यह टूर्नामेंट 12 दिसंबर से शुरू होगा। पहले ही मैच में टीम इंडिया दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में क्वालीफायर 1 से भिड़ेगी। ठीक उसी दिन पाकिस्तान द सेवन स्टेडियम में क्वालीफायर 3 को चुनौती देगा।

14 दिसंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच का आयोजन होगा। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगीए जो 19 दिसंबर को होगा। विहान मल्होत्रा को पुरुष अंडर.19 एशिया कप में भारत का उपकप्तान बनाया गया हैए जबकि एशिया कप राइजिंग स्टार्स में अपनी हिटिंग काबिलियत दिखाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए टॉप.ऑर्डर बैटिंग की अगुआई करेंगे। इस टीम में राहुल कुमारए जेण् हेमचूड़ेशनए बीके किशोर और आदित्य रावत को बतौर स्टैंडबाय रखा गया हैए जो टीम को मजबूती और भरोसेमंद बैकअप सपोर्ट देते हैं। भारत ने रिकॉर्ड 8 बार इस टूर्नामेंट को अपना नाम किया है। पिछली बार भारत को फाइनल में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा था। एशिया कप के लिए भारत की अंडर.19 टीमरू आयुष म्हात्रे ;कप्तानद्धए वैभव सूर्यवंशीए विहान मल्होत्रा ;उप कप्तानद्धए वेदांत त्रिवेदीए अभिज्ञान कुंडू ;विकेटकीपरद्धए हरवंश सिंह ;विकेटकीपरद्धए युवराज गोहिलए कनिष्क चौहानए खिलन पटेलए नमन पुष्पकए डीण् दीपेशए हेनिल पटेलए किशन कुमार सिंह ;फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भरद्धए उद्धव मोहनए एरॉन जॉर्ज।

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में कोई परिवर्तन नहीं, कमिंस और हेज़लवुड बाहर

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में 4 दिसंबर ;गुरुवारद्ध से शुरू होने वाले डे.नाइट एशेज टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड एक बार फिर टीम से बाहर रहेंगे। दोनों तेज गेंदबाज इस हफ्ते सिडनी में नेट्स पर अभ्यास करते नजर आए थेए लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें अभी फिट घोषित नहीं किया है। इसका मतलब है कि स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पर्थ टेस्ट की तरह कमिंस ब्रिस्बेन में टीम के साथ रहकर अपनी तैयारी जारी रखेंगे। इसी बीचए उस्मान ख्वाजा को पीठ की चोट और पर्थ की पहली पारी में सिर्फ एक रन बनाने के बावजूद टीम में बरकरार रखा गया है। दूसरी पारी में वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे थेए क्योंकि कैच लेते समय लगी चोट बढ़ गई थी। इस कारण ट्रैविस हेड को पारी की शुरुआत करनी पड़ी और उन्होंने सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए टीम को 205 रन के लक्ष्य का पीछा एक ही सेशन में पूरा करा दिया। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया ख्वाजा को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर हेड को ओपनिंग में भेजता है या नहीं। ऐसी स्थिति में ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नंबर 6 पर शामिल किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज़ में 1.0 से आगे है और अभी चार टेस्ट बचे हैं। टीम 30 नवंबर ;रविवारद्ध को ब्रिस्बेन में एकत्र होगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: स्टीव स्मिथ ;कप्तानद्धए स्कॉट बोलैंडए एलेक्स कैरीए ब्रेंडन डॉगेटए कैमरन ग्रीनए ट्रैविस हेडए जोश इंग्लिसए उस्मान ख्वाजाए मार्नस लाबुशेनए नाथन लॉयनए माइकल नेसरए मिचेल स्टार्कए जेक वेदरॉल्डए ब्यू वेबस्टर।

मुस्कान के साथ गलतियों को स्वीकारते हुए वर्तमान पर फोकस करना जीत का मंत्र: तीरंदाज अंशिका

जयपुर, एजेंसी। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 की महिला रिकर्व फाइनल में अंशिका कुमारी का दूसरा सेट बेहद खराब रहा। आमतौर पर ऐसी शूटिंग किसी भी तीरंदाज के आत्मविश्वास को हिला सकती हैए लेकिन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ;एलपीयूद्ध की 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हुए कोचों से बात की और सकारात्मक सोच के सहारे अगले दो सेट आसानी से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। अंशिका का यही रवैया न सिर्फइस फाइनल में उनकी जीत की कुंजी बनाए बल्कि पिछले 12 महीनों में उनके करियर की दिशा बदलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। अंशिका ने साई मीडिया से कहाए श्एक समय था जब मैं हर हारे हुए मैच के बाद हंस देती थी और सोचती थी कि यह भी नहीं था मेरे लिएए अब इससे बुरा क्या होगा। चलो अगले पर फोकस करो। दिन के अंत में बात सिर्फ वर्तमान पर ध्यान रखने की हैकृएक.एक तीर पर ध्यान देने कीए और तनाव को मुस्कान में उड़ाने की। यही मैंने फाइनल में किया।

दूसरे सेट में क्या गलत हुआए इस पर अंशिका ने बताया कि वह यह समझ नहीं पा रही थीं कि उनका तीर टारगेट पर कहां लगा क्योंकि उनके कोच के पास उस समय टेलीस्कोप नहीं था। उन्होंने कहाए श्उस सेट के बाद हमें टेलीस्कोप मिलाए लेकिन मैंने तब तक सिर्फ सांसों और अगले तीर पर फोकस किया। खुश हूं कि अंत में जीत पाई।श् अंशिका कहती हैंए श्मैंने अपनी हर असफलता से सीखा और हर हारे हुए मैच को तकनीक सुधारने का मौका बनाया। इसी सीख का फायदा उन्हें इस साल तीनों विश्व कप में भाग लेने का अवसर मिला।

अंशिका मूल रूप से बिहार की हैंए लेकिन पिता के भारतीय नौसेना में होने के कारण देशभर में रहीं। यह स्थिरता उन्हें एक दिन में नहीं मिली। मुंबई के स्कूल में तीरंदाजी शुरू करने के बाद शुरुआती सफलताओं ने उम्मीदें बढ़ाईए मगर राष्ट्रीय टीम की जगह उन्हें बार.बार छूटती रही। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफइंडिया के नेशनल्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली केंद्रीय विद्यालय की तीरंदाज बनने के बाद उन्होंने साई अकादमी के ट्रायल दिए और फिर वहीं प्रशिक्षण शुरू किया।

यूरोपा लीग: फ ॉरेस्ट ने माल्मो को 3-0 से रौंदा, रोमा और एस्टन विला ने जीते मुकाबल

नॉटिंघमशायर, एजेंसी। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने माल्मो एफएफ को 3.0 से मात देकर यूरोपा लीग में तीन प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। मुकाबले के 27वें मिनट कप्तान रायन येट्स ने गोल दागकर नॉटिंघम फॉरेस्ट का खाता खोला। इसी के साथ टीम ने मुकाबले में 1.0 से लीड हासिल कर ली। मुकाबले के 44वें मिनट अर्नोड कलिमुएंडो ने गोल करते हुए फॉरेस्ट की लीड को दोगुना कर दिया। माल्मो एफएफ की टीम 0.2 से पिछड़ गई थी। टीम लगातार गोल करने की कोशिश करती रहीए लेकिन इसी बीच 59वें मिनट में निकोला मिलेंकोविक ने गोल दागकर फॉरेस्ट को 3.0 से आगे कर दिया। यहां से माल्मो की टीम दबाव से बाहर नहीं निकल सकी। इस जीत के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 8 प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। फॉरेस्ट टेबल में 16वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओरए माल्मो के पास 1 अंक है। यह टीम 34वें पायदान पर मौजूद है। एक अन्य मैच मेंए रोमा ने मिड्टजिलैंड को 2.1 से शिकस्त देकर पहली घरेलू जीत दर्ज की। इस टीम के लिए नील एल ऐनाउई और स्टीफन ऐल शरावी मुकाबले के हीरो रहेए जिन्होंने एक.एक गोल किए। नील एल ऐनाउई ने मुकाबले के 7वें मिनट खाता खोला। इसके बाद स्टीफन ऐल शरावी ने 83वें मिनट गोल दागकर रोमा को 2.0 से आगे कर दिया। मुकाबले के 86वें मिनट मिड्टजिलैंड ने पॉलिन्हो के गोल की बदौलत अपना खाता खोलाए लेकिन यह टीम मुकाबला गंवा बैठी। इस बीचए डोनियल मैलेन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यंग बॉयज को 2.1 से शिकस्त देकर पांच लीग फेज मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज की। डच फुटबॉलर ने मुकाबले के 27वें मिनट गोल दागकर मैच का खाता खोलाए जिसके बाद 42वें मिनट एक और गोल दागकर एस्टन विला को 2.0 से आगे कर दिया। यंग बॉयज ने मुकाबले के 90वें मिनट सब्स्टीट्यूट जोएल मोंटेइरो की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

रेंज मुख्यालय में बढ़ता 'दागी दारोगा' का दबदबा!

तस्करों से कथित सांठगांठ की गूंज, अब पुलिस तंत्र पर उठ रहे बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विन्ध्य के रेंज में तस्करी नेटवर्क और पुलिस तंत्र की कार्यशैली को लेकर एक बार फिर बहस तेज़ हो गई है। जिस दारोगा पर रीवा जिले में पदस्थ रहते हुए तस्करों से संबंध, संदिग्ध गतिविधियों और विवादित फैसलों की चर्चाएं समय-समय पर उठती रहीं, उसी दारोगा को अब रेंज मुख्यालय में संवेदनशील और प्रभावी दायित्व—मीडिया मैनेजमेंट—का जिम्मा सौंप दिया गया है। इससे विभाग के भीतर और बाहर दोनों जगहों पर असंतोष की लहर दौड़ पड़ी है। स्रोत बताते हैं कि यह वही अधिकारी है जिसके कार्यकाल को लेकर जिले में लंबे समय से कानाफूसी होती रही। जहां-जहां उसकी पोस्टिंग हुई, वहां विवादों और आरोपों की परतें साथ ही चलीं। मामले भले लिखित रूप में न पहुंचे हों, लेकिन स्थानीय थाना क्षेत्रों में व्यापारी, ग्रामीण

और सामाजिक संगठनों के बीच उसका नाम एक ऐसे अधिकारी के रूप में लिया जाता रहा, जो कुछ खास तस्कर-गुटों के साथ नज़दीकी बनाए रखने के आरोपों से घिरा रहा।

'ऐसा काम वही कर सकता है '—विभागीय हलकों में पुरानी फुसफुसाहट पुलिस विभाग के कई कर्मचारियों ने अनौपचारिक बातचीत में स्वीकार किया कि यह दारोगा अक्सर उन्हीं मामलों में सक्रिय दिखता था, जिन पर सामान्यत: ऊपरी निगरानी की जरूरत होती है। विभागीय गलियारों में यह बात खुलकर कही जाती रही कि 'इस तरह की जिम्मेदारियां वही ले सकता है।' इन आरोपों को कभी औपचारिक स्वर नहीं मिला, लेकिन चर्चाओं ने हमेशा ही उसकी छवि को संदेह के घेरे में रखा।

इसके बावजूद महत्वपूर्ण पद—वरिष्ठ अधिकारियों की नीयत पर सवाल अब जब उसे रेंज मुख्यालय में मीडिया-प्रबंधन जैसी भूमिका में तैनात कर दिया गया है, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या वरिष्ठ अधिकारियों ने उसके पुराने विवादों को नज़रअंदाज़ किया, या फिर उसे किसी 'विशेष उपयोग' के लिए मंच दिया गया है? पुलिस के कुछ वरिष्ठ-मध्यम स्तर के अधिकारियों की नाराज़गी भी भीतर ही भीतर उबल रही है। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा—'जब विवादित छवि वाले लोगों को मंच मिलता है, तो नीचे के कर्मचारी गलत संदेश लेते हैं। ईमानदार लोग हाशिये पर चले जाते हैं।'

अनुशासनहीनपुलिसकर्मियों की सूची तैयार—पर कार्रवाई ठंडी क्यों? गौरतलब है कि पिछले चार महीनों से रेंज स्तर पर अनुशासनहीन, संदिग्ध व्यवहार वाले तथा विवादास्पद पुलिसकर्मियों की सूची तैयार की जा रही थी। सैकड़ों पन्नों की जांच रिपोर्टें, दर्जनों शिकायतों का संकलन और कई महीनों की पड़ताल के बाद भी कार्रवाई अभी तक 'फाइलों की धूल' चाट रही है।

स्थानीय नागरिकों की सख्त मांग: 'जांच हो, जवाबदेही हो' शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारी संगठनों और युवा समूहों का कहना है कि रेंज मुख्यालय को अपनी छवि सुधारने के लिए पारदर्शिता का परिचय देना चाहिए। यदि किसी अधिकारी पर तस्करी या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि से जुड़ी चर्चा वर्षों से चल रही है, तो उसकी तैनाती जांच के निष्कर्ष आने तक रोक दी जानी चाहिए।

रेंज प्रशासन मौन—लेकिन सवाल गूंज रहे हैं रेंज मुख्यालय ने इस मुद्दे पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन विभागीय गलियारे बेचैन हैं। जिस अधिकारी पर लंबे समय से चर्चा, आरोप और अविश्वास की धुंध मंडराती रही—उसे नया मंच मिलना रेंज की छवि के लिए चुनौती बन गया है।

नागरिकों की राय साफ है—
तस्करी से जुड़े मामलों की जांच में तेजी आए।
विवादित छवि वाले अधिकारी संवेदनशील दायित्वों से दूर रहें।
ईमानदार पुलिसकर्मियों को प्राथमिकता मिले।
सूची में शामिल अधिकारियों पर सार्वजनिक अपडेट दिया जाए।

जनता पूछ रही है— 'क्या सूची सिर्फ दिखावे के लिए थी? क्या कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित रहेगी?'

गैरसरकारी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी का संकल्प

साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के अटल पार्क में मंगलवार को एक अनोखा दृश्य उभरा—सैकड़ों लोग, बच्चों की सुरक्षा के लिए उठे हुए हाथ और बाल विवाह के खिलाफ एक गूंजती प्रतिज्ञा। गैरसरकारी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी समग्र जन चेतना ने भारत सरकार की 100 दिवसीय विशेष कार्ययोजना के तहत रीवा को आगामी एक वर्ष में बाल विवाह मुक्त जिला बनाने का संकल्प लिया।

यह अभियान पूरे देश में 'बाल विवाह मुक्त भारत' के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है। संगठन ने महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा एवं सरपंचों के साथ मिलकर रणनीति बनाई है, जिसके तहत स्कूलों, कॉलेजों, विवाह कराने वाले धार्मिक स्थलों, सेवा प्रदाताओं तथा पंचायत एवं नगरीय वार्डों को अभियान के मुख्य केंद्र बनाए गए हैं।

अहिंसा वेलफेयर सोसायटी देश के सबसे बड़े बाल अधिकार नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है, जिसके 250 से अधिक साझेदार संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह उन्मूलन के लिए सक्रिय हैं। नेटवर्क ने पिछले एक वर्ष में देश भर में एक लाख से अधिक बाल विवाह रोके हैं, जबकि अकेले अहिंसा वेलफेयर सोसायटी द्वारा 563 बाल विवाह रुकवाए जाने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

अटल पार्क में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और सामूहिक शपथ समारोह आयोजित किए गए। इसी के साथ रीवा जिले के 50 गांवों में एक ही दिन में बाल विवाह बंद करने का संदेश प्रसारित किया गया।

आरटीओ लिखे वाहन से तराई आंचल में अवैध वसूली,चालक हो रहे परेशान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के तराई आंचल में इन दिनों आरटीओ लिखे वाहन की आड़ में हो रही कथित अवैध वसूली ने वाहन चालकों की नींद उड़ा दी है। प्रदेश सरकार जहां लगातार भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का दावा कर रही है, वहीं ज़मीनी हालात उल्टा बयान दे रहे हैं। सिरमौर विधानसभा के पटेहरा, अतरैला, रामबाग, रिमारी, जवा और पनवार समेत पूरे क्षेत्र में सड़क पर चलते वाहनों को रोककर 'कार्रवाई' के नाम पर वसूली का सिलसिला खुले तौर पर जारी है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का आरोप है कि आरटीओ लिखे बोलेरो वाहन में एक आरक्षक के साथ आधा दर्जन से अधिक प्राइवेट व्यक्ति मौजूद रहते हैं, जो खुद को विभागीय टीम बताकर सड़क पर कब्जा जमाए हुए हैं। कार्रवाई का ढांचा सिर्फ दिखावे भर का है, जबकि वास्तविक मकसद मोटी रकम वसूलना बताया जा रहा है। एक चालक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रामबाग-बरगढ़ मार्ग पर जंगल के पास आरटीओ वाहन सवारों द्वारा उसे रोककर दस हजार रुपये वसूले गए। यह रकम फोनपे के माध्यम से अनूप सिंह बघेल नामक व्यक्ति के खाते में ली गई, जो उस समय आरटीओ लिखे वाहन में मौजूद था। चालक का कहना है कि न कोई कागज देखा गया, न कोई रसीद काटी गई—सिर्फ दबाव बनाकर पैसा लिया गया। आरोप है कि इस तरह की वसूली आए दिन हो रही है और क्षेत्र के अधिकांश चालक डर और मजबूरी में रकम चुकाकर आगे बढ़ने को विवश हैं। विभागीय अधिकारी इन घटनाओं पर चुप्पी साधे बैठे हैं, जिससे संदेह और गहरा रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सरकार ऐसे फर्जी वसूली तंत्र पर तत्काल रोक लगाए और आरटीओ वाहनों में बैठने वाले प्राइवेट लोगों की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच कराए। फिलहाल नजरें इस बात पर टिकी हैं कि शासन-प्रशासन कब कार्रवाई करता है।

EOW प्रतिरूपण धोखाधड़ी मामला: संजय मिश्रा को 3 वर्ष 9 माह 28 दिन की सजा, 15,000 रुपये जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ का सीनियर इंस्पेक्टर बनकर शासकीय अधिकारियों को भय दिखाने और शिकायतों के 'निराकरण' के नाम पर धन ऐंठने वाले संजय मिश्रा को न्यायालय ने कठोर सजा सुनाई है। आरोपी पर EOW रीवा में अपराध क्रमांक 43/21 दर्ज था, जिसमें धारा 420, 419, 201, 467, 468, 471 व 120-बी भादवि. के गंभीर आरोप शामिल थे। जांच के दौरान सामने आया कि संजय मिश्रा अपने पुत्र आष्कृत मिश्रा, सहयोगी रघुराजा गर्ग और तीन मोबाइल सिम विक्रेताओं—विरेंद्र पटेल, आशीष विश्वकर्मा और विशेष विश्वकर्मा—की मदद से फर्जी पहचान व जालसाजी का नेटवर्क चला रहा था। प्रकरण का अभियोग पत्र 13 अप्रैल 2022 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। विचारण के बाद प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. अंजली पारे ने 14 नवंबर 2025 को निर्णय सुनाते हुए आरोपी संजय मिश्रा को धारा 419 में 1 वर्ष का सश्रम कारावास तथा धारा 420 में 3 वर्ष 9 माह 28 दिन की भोगी अभिरक्षा अवधि का कारावास एवं कुल 15,000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया। न्यायालय ने कहा कि सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर विश्वास तोड़ने वाले अपराधों पर कठोर दंड आवश्यक है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ: छात्राओं को सुरक्षा, अधिकार एवं आत्मनिर्भरता का पाठ

विद्यालय में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संदीपनी सी.एम. राइज कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय पाण्डेन टोला में वृहद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा, कानूनी अधिकारों, आत्मनिर्भरता और सरकारी सहायता तंत्रों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें समाज में एक मजबूत नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं की उपस्थिति और विभागीय टीम के आगमन से हुई। प्राचार्य श्री बी.पी. सिंह ने शिक्षा और सुरक्षा को समाज की प्रगति का केंद्र बताते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रथम चरण में छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिनमें निबंध लेखन 'महिला सशक्तिकरण-नया भारत', पोस्टर निर्माण 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन और प्रश्नोत्तरी गतिविधियाँ शामिल थीं। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता, जागरूकता और सामाजिक संवेदनशीलता का शानदार प्रदर्शन किया।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे पूरे विद्यालय में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम के दूसरे और सबसे महत्वपूर्ण चरण में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा वन स्टॉप सेंटर 'सखी' की टीम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह के मार्गदर्शन में एक विस्तृत जागरूकता सत्र आयोजित किया। सत्र में छात्राओं को पांच प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को संकट, हिंसा, उत्पीड़न, बाल विवाह और घरेलू हिंसा में तत्काल व गोपनीय सहायता प्राप्त करने के लिए महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी दी गयी। बच्चों से जुड़े अपराध, उत्पीड़न और आपात स्थितियों में त्वरित सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में बताया गया।

इसी प्रकार बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 के तहत कानूनी संरक्षण, आयु प्रमाण पत्र की महत्ता और शिकायत प्रक्रिया के संबंध में बाल विवाह निषेध एवं कानूनी संरक्षण से अवगत कराया गया। साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल जागरूकता के तहत सोशल मीडिया पर सुरक्षित व्यवहार, ऑनलाइन ठगी से बचाव, पासवर्ड सुरक्षा और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के उपाय संबंधी जानकारी दी गयी। छात्राओं को विपरीत परिस्थिति में विवेकपूर्ण निर्णय लेने और आत्मरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी के लिए आत्मरक्षा का महत्व बताया गया। वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक श्रुति मिश्रा, रेनु गौतम, सलमा खान और क्षितिज तिवारी की टीम ने इन सभी विषयों को सरल भाषा और वास्तविक उदाहरणों के साथ समझाया, जिससे छात्राओं का आत्मविश्वास और चेतना उल्लेखनीय रूप से बढ़ी।

संविधान नागरिक को ताकत देने के साथ जिम्मेदारी भी माँगता है '- जयराम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संविधान की आत्मा, नागरिकों के अधिकार और लोकतांत्रिक मर्यादाओं विषय पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय,रीवा परिसर में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. सत्येन्द्र डहेरिया ने कहा कि संविधान ने भारत को शासन की व्यवस्था देने के साथ ही देश के हर नागरिक को जागरूक, संवेदनशील और समान अधिकारों वाला व्यक्ति बनाने का दायित्व भी निभाया है। उन्होंने कहा कि यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद हमें न्याय, स्वतंत्रता और समानता तो देते ही हैं, पर इसके मूल में सद्भाव, समता और सामाजिक एकता समाहित हैं। उन्होंने बताया कि 'संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग करना है। एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने अपने वक्तव्य में संविधान को भारतीय लोकतंत्र का जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता आंदोलन में कलम ने सत्ता को चुनौती दी, उसी तरह संविधान ने आम नागरिक के अधिकारों को सबसे बड़ी ढाल प्रदान करने का काम किया है। लेकिन यह ढाल तभी प्रभावी है जब नागरिक अपनी जिम्मेदारी और दायित्व निभाए।

प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के शोध छात्रों ने उत्कृष्ट विद्यालय में दिया करियर मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षा की राह पर नए क्षितिज तलाशते हुए प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों—बीएचयू, डीयू, जेएनयू, एयू सहित देश के नामी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत शोध छात्रों की टीम ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्र.1 में विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन दिया। इस पहल का नेतृत्व शोध छात्र इन्द्रलाल पटेल ने किया, जिनकी टीम ने छात्रों को उच्च शिक्षा के विविध मार्ग, प्रवेश प्रक्रियाएँ, विषय चयन, तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने खुलकर अपने प्रश्न पूछे। मार्गदर्शकों ने छात्रों के उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें बड़े लक्ष्य तय करने और नियमित अध्ययन के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया। टीम में शोध छात्रा निशा सिंह, सुनीता पांडे, मनीष शुक्ला, सचिन पटेल, सौरभ यादव और अश्वनी पटेल शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य जे.पी. जायसवाल, शिक्षक डॉ. प्रभाकर द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, डॉ. मनोज द्विवेदी, लक्ष्मीकांत गर्ग सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में आए हुए मार्गदर्शकों का आभार डॉ. प्रभाकर द्विवेदी ने व्यक्त किया।

रीवा में 1 दिसम्बर को मनाया जायेगा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, एनसीसी ग्राउंड में होगा भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गीता जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन रीवा, नगर निगम रीवा एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानाम् के सहयोग से एक दिसम्बर को एन.सी.सी. ग्राउंड रीवा में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे होगा। कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 15 का सस्वर पाठ किया जाएगा। इस सामूहिक पाठ में लगभग 5100 गीता प्रेमी एक साथ मंत्रोच्चार के साथ शामिल होंगे, जो आयोजन का मुख्य आकर्षण रहेगा।

इसके साथ ही एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमे विशेष थीम माधव दर्शन एवं गो और गोपाल में लघु चित्र शैलियों में भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न रूप एवं भारतीय चित्रकला शैलियों में श्रीकृष्ण की विविध छवियां प्रदर्शित की जाएँगी। प्रशासन ने बताया कि यह महोत्सव अध्यात्म, संस्कृति और ज्ञान के संगम का अनूठा अवसर होगा। कार्यक्रम में सभी नागरिकों से सहभागिता की अपील की गई है।

सिचित होने वाले क्षेत्रों के किसानों को कृषि व उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिये जागरूक करें- कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रीवा जिले में पम्प हाउस एवं प्रेस राइज्ड पाइप सिंचाई नेटवर्क के माध्यम से 10 ग्राम पंचायतों के 17 ग्रामों में सिंचाई की सुविधा प्रदान की जायेगी। यह योजना बहुती पी.एच-2 क्लस्टर में 63.20 करोड़ रूपये की लागत से 3160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मुहैया करायेगी। स्वीकृति राशि में से 60 प्रतिशत राशि जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदान की जायेगी। परियोजना के तहत जिले के चयनित क्लस्टर के विभिन्न कार्यों के क्रियान्वयन, अनुश्रवण व समीक्षा के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सिंचाई क्षेत्र के किसानों को कृषि व उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिये विभागीय अधिकारी जागरूक करें तथा धस्प्रकलर के माध्यम से सिंचाई कार्य के लिये प्रोत्साहित करें। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण देकर उत्पादन में वृद्धि के प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों व स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को भी सिंचाई सुविधा प्राप्त कर किसानों को उन्नत व अत्याधुनिक फसलों के लिये प्रोत्साहित करने के लिये सहभागी बनायें। बैठक में अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग मनोज तिवारी ने बताया कि इस योजना से धौखरी (299), धौखरी (300), गेरूई, कस्तरा, शुकुलगवां, किटहा, धौखरा (290), सहिजना, पतेरी (344), पतेरी (346), अमिलकी, बांसा, मडवा, गहिरा, टीकर, सुपिया तथा शिवपुर्वा ग्रामों के किसानों को पाइपलाइन के माध्यम से सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, अधीक्षण यंत्री मनोज तिवारी, सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मऊगंज के लिए जिला विकास समिति गठित

मुख्यमंत्री की अगुआई वाली समिति करेगी मऊगंज के विकास की निगरानी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के लिए जिला विकास समिति गठित की गई है। समिति का अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को बनाया गया है। मऊगंज जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विभाग को समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि समिति के सदस्य के रूप में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल को शामिल किया गया है।

समिति में जनपद अध्यक्ष मऊगंज नीलम सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत हनुमना गोविंद नारायण तिवारी तथा अध्यक्ष जनपद पंचायत नईगढ़ी ममता कुंज विहारी तिवारी को भी समिति का सदरू बनाया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि जिला विकास समिति में विभिन्न क्षेत्रों के 20 व्यक्तियों को प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इनमें राजेन्द्र मिश्रा, दीपक गुप्ता, रामनिवास कुशवाहा, श्रवण गुप्ता, रामचन्द्र गुप्ता, प्रदीप पटेल, रामलखन यादव तथा रामपाल सिंह शामिल हैं। सुनीता पटेल, अवध बिहारी पाण्डेय, ब्रम्हप्रकाश शुक्ला, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, उमेश कुशवाहा, मुनीन्द्र प्रसाद मिश्रा, श्रीनिवास त्रिपाठी, प्रभाशंकर पाठक, रमानिवास पाण्डेय, अरविंद पटेल, बिहारीलाल कोल तथा संतोष गुप्ता को भी समिति में शामिल किया गया है।

कलेक्टर मऊगंज समिति के पदेन सदस्य सचिव होंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुआई में गठित य समिति जिले के विकास के संबंध में विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त करे उसके अनुरूप विकास की कार्ययोजना बनाएगी। शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।